राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 304 | बुद्धवार 26 फरवरी 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेज: 8 | मूल्य : 2 रुपया

एलओसी पर तनाव, भारत और पाकिस्तान के बीच चार साल बाद फ्लैग मीटिंग

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में एलओसी (नियंत्रण रेखा) पर तनाव के बीच भारत और पाकिस्तान सेनाओं के बीच शुक्रवार को फ्लैग मीटिंग हुई। यह मीटिंग पुंछ सेक्टर के चाका दा बाग में आयोजित हुई। जिसमें दोनों सेनाओं के ब्रिगेडियर रैंक के अधिकारी शामिल हुए। बैठक 75 मिनट तक चली। बीते चार सालों में दोनों देशों के बीच ये पहली मीटिंग है। आखिरी फ्लैग मीटिंग 2021 में हुई थी। सूत्रों ने कहा कि बैठक में दोनों पक्षों के बीच बॉर्डर पर शांति बनाए रखने और सीजफायर पर सहमति बनी। पिछले कई हफ्तों से एलओसी पर तनाव बना हुआ है। सेना ने 4 फरवरी को 7 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया था।

नीतीश को बड़ा झटका, जदयू के वरिष्ठ नेता अली अनवर कांग्रेस में शामिल

पटना,(ईएमएस)। बिहार की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। पूर्व राज्यसभा सांसद और जदयू के वरिष्ठ नेता अली अनवर अंसारी शुक्रवार को औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल हो गए। अली अनवर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी थे, लेकिन अब उन्होंने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। कांग्रेस में शामिल होने के बाद अली अनवर ने कहा कि उन्हें राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान ने आकर्षित किया है। उन्होंने कहा, कि मोदी के नफरत के बाजार में राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान से प्रभावित होकर मैंने कांग्रेस जॉइन की है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने अली अनवर और उनके दर्जनों समर्थकों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। हालांकि, दिल्ली में इस फैसले की घोषणा पहले ही हो चुकी थी।

नीतीश कुमार को झटका- अली अनवर अंसारी समाजवादी विचारधारा के नेता रहे हैं और जदयू में अल्पसंख्यक समुदाय के प्रमुख चेहरों में से एक माने जाते थे। उनका कांग्रेस में जाना नीतीश कुमार और जदयू के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। अब देखना होगा कि अली अनवर के कांग्रेस में आने से बिहार की राजनीति पर क्या असर पड़ता है और लोकसभा चुनाव से पहले यह बदलाव किसके लिए फायदेमंद साबित होगा।

एडवोकेट एक्ट के खिलाफ देशभर के वकील लामबंद

नई दिल्ली । बार काउंसिल आफ इंडिया ने कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल को 66 पत्रों का पत्र लिखा है। बार काउंसिल ने प्रस्तावित एडवोकेट अमेंडमेंट बिल 2025 के मसौदे पर गंभीर आपत्ति जताई है। इसे कानूनी पेशे की स्वतंत्रता के लिए बड़ा खतरा बताया है ।प्रस्तावित बिल को लेकर देश भर के वकीलों में बड़ी नाराजी देखने को मिल रही है। केंद्र सरकार जो बिल लेकर आ रही है। उसमें केंद्र सरकार को बार काउंसिल आफ इंडिया में तीन सदस्यों की नियुक्ति का अधिकार दिए जाने का प्रावधान है। बार काउंसिल ने इसका कड़ा विरोध किया है। भारत सरकार विदेशी वकीलों और ला फर्म के नियमन को लेकर जो कानून बनाने जा रही है। उसको बार काउंसिल ने अनावश्यक बताया है। बार काउंसिल का कहना है, 2022 में ही बार कौंसिल ऑफ़ इंडिया ने विदेशी कानूनी पेशेवरों के लिए व्यापक दिशा निर्देश तैयार कर लिए हैं ।इसलिए बिल की कोई जरूरत नहीं है। बिल में वकीलों की हड़ताल पर प्रतिबंध प्रस्तावित है ।बार काउंसिल आफ इंडिया ने केंद्र सरकार के बिल को पूरी तरह से अस्वीकार किया है। बार काउंसिल का कहना है, सरकार को नामांकन शुल्क तय करने का कोई अधिकार नहीं है। सरकार बार काउंसिल को निर्देश और आदेश नहीं दे सकती है। इस बिल का विरोध देश के सभी बार काउंसिल के पंजीकृत वकील कर रहे हैं। इस बिल का देशभर में विरोध शुरू हो गया है।

2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नए चेहरों को देगी मौका: अमरिंदर

अमृतसर । कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि राज्य में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी नये चेहरों पर दांव लगाएगी। वडिंग ने पंजाब युवा कांग्रेस की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में कहा कि पंजाब कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनाव में विधायक के रूप में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए कम से कम 60-70 नए चेहरों को मौका देगी। यह हमारे राजनीतिक नेतृत्व को पुनर्जीवित करने और यह तय करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा कि पंजाब के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व ऐसे नेताओं द्वारा किया जाए जो गतिशील, प्रतिबद्ध और राज्य की जरुरतों के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि यह नए चेहरे न केवल बदलाव के प्रतीक होंगे बल्कि युवाओं और पंजाब के आम लोगों के विश्वास और उम्मीदों पर भी खरे उतरेंगे। वडिंग ने युवा कांग्रेस के सदस्यों से इस अवसर का अटूट प्रतिबद्धता के साथ लाभ उठाने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि उनके प्रयास भविष्य में ज्यादा मजबूत, अधिक समावेशी और एकजुट पंजाब की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस की ओर से जारी बयान में वडिंग के हवाले से कहा गया कि यह आपके लिए खुद को साबित करने और पंजाब के लोगों को यह दिखाने का मौका है कि हम वास्तविक और सार्थक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

किसी भी देश के निर्माण के लिए वहां के नागरिकों का विकास जरूरी : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में सोल (स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप) कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उदघाटन किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी देश के निर्माण के लिए वहां के नागरिकों का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी भारत को गुलामी से बाहर निकालकर बदलाव लाना चाहते थे। उनका विश्वास था कि अगर 100 लीडर उनके पास हों, तब वह भारत को आजादी ही नहीं, बल्कि दुनिया का नंबर वन देश बना सकते हैं। विवेकानंद के इसी मंत्र को लेकर हम सभी को आगे बढ़ना है। सोल में भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी शामिल हुए हैं। उनके आने पर पीएम मोदी ने कहा कि भूटान के राजा का शुक्रवार को जन्मदिन होना और हमारे यहां ये अवसर होना। ये अपने आप में सुखद संयोग हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज हर भारतीय 21वीं सदी के विकसित भारत के लिए लगतार काम कर रहा है। इसतरह 140 करोड़ देश में हर सेक्टर में, हर कार्यक्षेत्र में, जीवन के हर आधार में हमें उत्तम से उत्तम नेतृत्व की आवश्यकता है। कुछ आयोजन इसतरह के होते हैं, तो हृदय के बहुत करीब होते हैं और आज का ये सोल प्रोग्राम भी ऐसा ही है। किसी भी देश को प्रगति करने के लिए न केवल प्राकृतिक संसाधनों की जरुरत होती है, बल्कि मानव संसाधनों की भी आवश्यकता होती है। इस मौके पर लोगों को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा कि भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है, और यह गति हर क्षेत्र में तेज हो रही है। इस वृद्धि को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए हमें विश्व स्तरीय नेताओं की आवश्यकता है। सोल संस्थाएं परिवर्तन में एक गेम-चेंजर हो सकती हैं। इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय संस्थान सिर्फ एक विकल्प नहीं हैं, बल्कि एक जरूरत हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले समय में जब हम डिप्लोमेसी से टेक इनोवेशन तक एक नई लीडरशिप को आगे बढ़ाएंगे , तब सभी क्षेत्रों में भारत का प्रभाव कई गुना बढ़ जाएगा। यानी एक तरह से भारत का पूरा विजन और भविष्य एक मजबूत नेतृत्व पीढ़ी पर निर्भर है, इसलिए हमें ग्लोबल थिंकिंग और लोकल अप-ब्रिंगिंग के साथ आगे बढ़ना है। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया से प्रतिस्पर्धा के लिए हमें स्मार्ट लीडर्स चाहिए हमें इसतरह के व्यक्तियों को तैयार करने की आवश्यकता है जो भारतीय मानसिकता के साथ अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य को समझते हों। इन नेताओं को रणनीतिक निर्णय लेने, संकट प्रबंधन और भविष्य की सोच में पारंगत होना चाहिए। वैश्विक बाजार और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए हमें इसतरह के नेताओं की आवश्यकता है जो वैश्विक व्यापार की गतिशीलता को समझते हों। सोल से काम करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी पॉलिसी मेकिंग को वर्ल्ड क्लास बनाना होगा। यह तभी होगा, जब हमारे पॉलिसी मेकर्स, ब्यूरोक्रेट्स और ऑन्त्रप्रेन्योर अपने पॉलिसी को ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के साथ जोड़कर फ्रेम कर पाएंगे। इसमें सोल जैसे संस्थान की बड़ी भूमिका होगी। अगर हमें विकसित भारत बनना है, तब हर क्षेत्र में तेज गति से आगे बढ़ना होगा।

सोल क्या है

स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (सोल) गुजरात का इंस्टीट्यूशन है। इसका काम भारतीय राजनीति में इसतरह के लोगों को आगे बढ़ाना है, जो राजनैतिक परिवार से नहीं आते हैं। बल्कि वे अपनी लीडरशिप क्वालिटी, योग्यता और सामाजिक सेवा के माध्यम से कुछ नया करना चाहते हैं।

1999 रुपए में बिक रहीं महाकुंभ में महिलाओं के कपड़े बदलने व नहाने की तस्वीरें

-पुलिस ने 11 सोशल मीडिया चैनलों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

प्रयागराज। महाकुंभ क्षेत्र में महिलाओं के कपड़े बदलने और नहाने की तस्वीर सोशल मीडिया पर बेची जा रही है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए महाकुंभ क्षेत्र के थाना कोतवाली कुंभ में पुलिस ने 11 सोशल मीडिया चैनलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक एफआईआर में बताया गया है कि कुंभ क्षेत्र में महिलाओं के स्नान के बाद कपड़े बदलने की तस्वीर सोशल साइट टेलीग्राम पर 1999 रुपए में बेची जा रही हैं। पुलिस को सोशल साइट से ही इस बारे में जानकारी मिली और उसके बाद पुलिस ने संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में जांच जारी है। बताया जा रहा है कि ये वीडियो तब रिकॉर्ड किए गए जब महिलाएं त्रिवेणी संगम में स्नान कर रही थीं या कपड़े बदल रही थीं। चौंकाने वाली बात यह है कि ये वीडियो टेलीग्राम पर बेचे जा रहे हैं और मेटा के प्लेटफॉर्म पर भी मौजूद हैं। एफआईआर में पुलिस ने लिखा है कि अवगत कराना है कि सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान पता चला है कि महाकुंभ में महिलाओं की निजता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। नहाने और कपड़े बदलने के दौरान महिलाओं और लड़कियों की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया टेलीग्राम पर शेयर किए गए हैं। कुछ तस्वीरों को अन्य आपत्तिजनक कंटेंट बेचने के लिए टीजर के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। जहां उनकी आध्यात्मिक यात्रा को गोपनीयता के उल्लंघन का सामना करना पड़ा। इस पोस्ट में एक टेलीग्राम चैनल का एक स्क्रीनशॉट भी लगाया गया है, जिसमें महिलाओं के स्नान का वीडियो 1999 में मेंबरशिप लेने पर प्रदान किया जाना अंकित है।

जब मोदी ने दिया शरद पवार को पानी, पवार ने की मोदी की प्रशंसा

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन में लंबे भाषण के बाद शरद पवार थक गए थे, ऐसे में मंच पर मौजूद पीएम मोदी ने वाटर बॉटल से शरद पवार के ग्लास में पानी भर दिया। सोशल मीडिया पर पीएम मोदी का ये अंदाज लोगों को काफी पसंद आ रहा है। इससे पहले 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मलेन में शरद पवार ने न सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की बल्कि यह भी बताया कि जब उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए पीएम को आमंत्रित किया, तो मोदी ने बिना किसी देरी के तुरंत स्वीकृति दे दी। पवार ने मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा दिलाने में पीएम मोदी की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'दिल्ली और महाराष्ट्र के बीच गहरा रिश्ता है, और यह केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक भी है। उनकी यह बात भविष्य के राजनीतिक समीकरणों की ओर इशारा कर रही है। 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कई महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने कहा मराठी भाषा अमृत से भी बढ़कर मीठी है। इस दौरान पीएम के साथ मंच पर शरद पवार भी मौजूद थे। 1 अगस्त 2023 के बाद पुणे में दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात है। पीएम मोदी को लोकमान्य तिलक पुरस्कार मिला था। यूबीटी के मुखपत्र सामना ने इस मुद्दे पर तीखी राय लिखी थी और पवार से प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा नहीं करने को कहा था।

चीन के साथ संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति: जयशंकर

जोहान्सबर्ग/नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात करके सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति का प्रबंधन, कैलाश मानसरोवर यात्रा, उड़ान कनेक्टिविटी और यात्रा सुविधाओं के बारे में चर्चा की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार डॉ. जयशंकर ने जी-20 विदेश मंत्री बैठक से इतर हुई इस बैठक में अपने आरंभिक वक्तव्य में कहा,'मुझे खुशी है कि हम आज जोहान्सबर्ग में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर मिल सकते हैं। इस तरह की सभाओं ने हमारी बातचीत के लिए एक अवसर प्रदान किया है, तब भी जब हमारे संबंध एक कठिन चरण से गुजर रहे थे। हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि ध्रुवीकृत वैश्विक स्थिति में, हमारे दोनों देशों ने एक संस्था के रूप में जी 20 को संरक्षित और संरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। यह अपने आप में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को प्रमाणित करता है।'

डॉ. जयशंकर ने कहा,'नवंबर 2024 में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान रियो में हमारी पिछली बैठक के बाद से, कुछ उल्लेखनीय प्रगति हुई है। हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और विदेश सचिव ने चीन का दौरा किया है और हमारे संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई है। इनमें सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और शांति का प्रबंधन और हमारे संबंधों के अन्य आयाम शामिल हैं। यह खुशी की बात है कि आज हमारे बीच विचारों का और आदान-प्रदान हुआ।÷उन्होंने कहा कि भारत और चीन जी-20, एससीओ और ब्रिक्स के सदस्य हैं। पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दे भी हैं, जहां दृष्टिकोण का आदान-प्रदान हमारे पारस्परिक लाभ के लिए होगा। बाद में नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में सवालों के जवाब में कहा,÷दोनों मंत्रियों (भारत और चीन के विदेश मंत्रियों) ने नवंबर में पिछली बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में विकास की समीक्षा की। विशेष रूप से, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और शांति के प्रबंधन, कैलाश मानसरोवर यात्रा, उड़ान कनेक्टिविटी और यात्रा सुविधाओं पर चर्चा की गई।

'मृत्युकुंभ' वाली टिप्पणी पर बढ़ा विवाद, ममता बनर्जी ने दी सफाई...

सभी धर्मों कर करती हूं सम्मान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा महाकुंभ को 'मृत्युकुंभ' कहने पर विवाद गहरा गया है। इस टिप्पणी को लेकर बीजेपी ने ममता पर तीखा हमला बोला, जिसके बाद उन्होंने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करती हैं।

इससे पहले सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को बंगाल विधानसभा में प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले के प्रबंधन को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि यह आयोजन 'मृत्युकुंभ' बन गया है, जहां अव्यवस्था और भगदड़ के कारण लोगों की जान जा रही है। इसके साथ ही सीएम ममता ने आरोप लगाया कि सरकार मृतकों की वास्तविक संख्या छिपा रही है।

भाजपा का पलटवार

बीजेपी नेताओं ने ममता बनर्जी की टिप्पणी को हिंदू विरोधी बताते हुए इसकी निंदा की। बीजेपी का कहना है कि महाकुंभ करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा आयोजन है, इसे 'मृत्युकुंभ' कहना असंवेदनशील है। पार्टी ने ममता पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाते हुए माफी की मांग की।

ममता की सफाई

विवाद बढ़ने के बाद ममता बनर्जी ने कहा– मैं सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करती हूं। धर्म किसी एक व्यक्ति का हो सकता है, लेकिन धार्मिक उत्सव सभी के लिए होते हैं। मेरी आपत्ति कुंभ मेले से नहीं, बल्कि वहां की अव्यवस्था और प्रशासन की लापरवाही से है। इस विवाद ने बंगाल की राजनीति को गरमा दिया है। बीजेपी इस बयान को मुद्दा बनाकर ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी ने इसे बीजेपी की साजिश बताते हुए पलटवार किया है। वहीं कुंभ मेले की अव्यवस्था पर यूपी सरकार पर भी सवाल उठने लगे हैं। अब देखना यह होगा कि यह विवाद ममता बनर्जी और भाजपा के बीच राजनीतिक टकराव को कितना आगे ले जाता है।

अदाणी विवाद प्रधानमंत्री मोदी का व्यक्तिगत नहीं बल्कि देश का मामला है : राहुल गांधी

रायबरेली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अदाणी समूह से जुड़े विवाद पर अमेरिकी मीडिया में की गई टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह कोई 'व्यक्तिगत मामला' नहीं बल्कि देश से जुड़ा मामला है। रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के दूसरे दिन लालगंज में एक कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया अमेरिकी यात्रा के दौरान मीडिया के साथ उनकी बातचीत का उल्लेख करते हुए यह आरोप लगाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जब मोदी से अदाणी समूह के बारे में चल रहे विवाद के बारे में पूछा गया तो प्रधानमंत्री ने कहा था, ''यह 'एक व्यक्तिगत मुद्दा' था और जब दो देशों के नेता मिलते हैं तो ऐसे मुद्दों पर चर्चा नहीं की जाती है।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, 'मोदी जी यह कोई व्यक्तिगत मामला नहीं है, यह देश का मामला है।' राहुल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी मीडिया से कहा कि उद्योगपति गौतम अदाणी उनके दोस्त हैं, वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनके बारे में कुछ नहीं पूछेंगे।

आरएसएस-भाजपा को विदेशी एजेंसियों से मिलती है गुप्त सहायता : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश में लोकतंत्र को अस्थिर करने और संवैधानिक संस्थाओं को ध्वस्त करने के लिये विदेशी एजेंसियों से गुप्त सहायता ले रहे हैं और इसके सबूत उसके पास हैं।

पार्टी ने कहा है कि मोदी सरकार अमेरिका की सरकारी एजेंसी यूएसएड द्वारा भारत के चुनावों को प्रभावित करने के लिये धन देने के मामले को लेकर इस समय जो प्रचार कर रही है, वह वास्तव में असली मुद्दों को भटकाने की उसकी कोशिश है, क्योंकि खुद सत्ता पक्ष से जुड़े लोग प्रदेश की एजेंसियों से सहायता लेते रहे हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'कांग्रेस पहले ही भारत में यूएसएड फंडिंग पर श्वेतपत्र की मांग कर चुकी है, यह स्पष्ट कर दें कि हम वैश्विक भागीदारी विकास एजेंसियों, यूएसएड जैसी सहायता तंत्रों को बेईमान नहीं मानते।'

श्री खेड़ा ने कहा कि भाजपा ही सबसे पहले 'डीप स्टेट' की कहानी शुरू की और यूएसएड को बदनाम करना शुरू किया था। उन्होंने कहा, 'हालांकि हमारे पास पर्याप्त सबूत हैं कि आरएसएस-भाजपा भारतीय लोकतंत्र को अस्थिर करने और हमारे संविधान को ध्वस्त करने के लिये विदेशी एजेंसियों से गुप्त सहायता ले रही है।'

कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछली अमेरिका यात्रा का जिक्र करते हुये कहा कि जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने यहां आयातित सामानों पर 'जवाबी शुल्क' लगाने और ब्रिक्स समूह को खत्म करने की बात कर रहे थे तो श्री मोदी मुस्कुरा रहे थे। उन्होंने कहा, 'इस तरह हमारे प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकी सुनते रहे और चुपचाप स्वदेश वापस आ गये और अब मोदी सरकार कह रही है कि उसे अस्थिर करने के लिये अमेरिका से धन लिया गया है।'

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने वहां उद्यमी एलन मस्क के नेतृत्व में गठित प्रशासनिक दक्षता विभाग (डीओईजी) की सिफारिश पर यूएसएड द्वारा भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के नाम पर दी जाने वाली 2.1 करोड़ डॉलर (करीब 170 करोड़ रुपये) की सहायता रद्द कर दी है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि एक हफ्ते से यह कहानी चलायी जा रही है कि यूएसएड ने मोदी सरकार को अस्थिर करने के लिए यह धन दिया था। उन्होंने इस तरह प्रचार को शर्मनाक बताते हुये सवाल किया कि अमेरिका से धन 2012 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के कार्यकाल में आया था, तो 2014 के चुनाव में भाजपा क्या उसी धन से जीती थी?

उन्होंने कहा, 'हम यूएसएड या फंडिंग एजेंसी के खिलाफ नहीं हैं। देश में फंडिंग के लिए कानून हैं जिनके तहत भाजपा से जुड़े एनजीओ भी फंड लेते हैं लेकिन जानबूझकर सिर्फ कांग्रेस का नाम लेना गलत है।'

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि जब श्रीमती स्मृति ईरानी (भाजपा नेता) यूएसएड की ब्रांड एंबेसडर थीं और सिलेंडर लेकर सड़कों पर प्रदर्शन करती थीं तो क्या वह काम यूएसएड करवा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी संगठन फोर्ड फाउंडेशन के अनुदान से लाभान्वित संगठनों में आरएसएस भी शामिल था।

उन्होंने कहा, 'यूएसएड ने बंगलादेश को भी करोड़ों डालर थे, पर श्री मोदी को कुछ पता ही नहीं चला। ये आपका कैसा सूचना तंत्र है। ये आपका कैसा इंटेलिजेंस है। बंगलादेश में आई अस्थिरता का असर क्या भारत पर नहीं पड़ेगा।'

श्री खेड़ा ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के मंत्री लगातार यूएसएड के अधिकारियों से मुलाकात करते रहे हैं। वर्ष 2024 में केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल 'जीरो कार्बन उत्सर्जन' के लक्ष्य के लिये यूएसएड से लिये हैं। दस नवंबर 2022 को भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस यूएसएड से सहयोग मिलने की बात की थी, इसी तरह 2016 में नोटबंदी से ठीक पहले श्री मोदी यूएसएड से कैशलेस इकोनॉमी की दिशा में मदद ली थी, 'तो क्या यह नोटबंदी अमेरिका के कहने पर की गयी थी।' कोविड में श्री मोदी ने यूएसएड से 10 करोड़ डॉलर लिया, तो क्या श्री मोदी भी उनके हाथों में खेल रहे थे।

उन्होंने कहा, 'इंदिरा गांधी जब प्रधानमंत्री थीं, तब अमेरिका ने जय प्रकाश नारायण के आंदोलन की खूब तारीफ की थी। सच ये है कि आरएसएस के दो प्रमुख नेता

अमेरिका जाकर इंदिरा गांधी के खिलाफ उल्टी-सीधी खबरें छपवाते थे।'

उन्होंने कहा कि अमेरिका, इंदिरा गांधी से बंगलादेश युद्ध के अपमान का बदला लेना चाहता था।

उन्होंने कहा कि आरएसएस ने पंडित जवाहर लाल नेहरू के खिलाफ आंदोलन किया, उस आंदोलन को अमेरिका से धन मिलता था। खुद अमेरिका के एक जासूस ने इसका खुलासा किया है कि वे आरएसएस को धन दे रहे थे। खेड़ा ने कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के एक एजेंट का कहना है कि आरएसएस दशकों से अमेरिका से पैसे लेता रहा ताकि कांग्रेस की सरकारों को अस्थिर किया जा सके।

कांग्रेस प्रवक्ता ने दावा किया कि आरएसएस ने न सिर्फ नेहरू सरकार को गिराने के लिये अमेरिका से पैसे लिये, बल्कि उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे कामराज जी की हत्या की साजिश भी रची।

उप्र : महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या से महाकुंभ में वाहनों के प्रवेश पर रोक

महाकुंभ नगर (उप्र)। महाशिवरात्रि और महाकुंभ पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंगलवार को शाम चार बजे से मेला क्षेत्र और शाम छह बजे से कमिश्नरेट प्रयागराज को 卐नो-व्हीकल जोन卐 घोषित किया गया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस निर्णय का पालन करते हुए सुचारू यातायात एवं श्रद्धालुओं की सुविधा में सहयोग करें। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के दृष्टिकोण से प्रशासन ने प्रवेश मार्गों के अनुसार स्नान घाटों का निर्धारण किया है। इसके अंतर्गत झूसी से आने वाले श्रद्धालु दक्षिणी झूसी के श्रद्धालु संगम द्वार ऐरावत घाट पर स्नान करेंगे। वहीं, उत्तरी झूसी के श्रद्धालु संगम हरिश्चंद्र घाट एवं संगम ओल्ड जीटी घाट का उपयोग करेंगे। बयान के मुताबिक, परेड क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालु संगम द्वार भरद्वाज घाट, संगम द्वार नागवासुकी घाट, संगम द्वार मोरी घाट, संगम द्वार काली घाट, संगम द्वार रामघाट और संगम द्वार हनुमान घाट पर स्नान करेंगे। मेला प्रशासन के अनुसार, अरैल क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालु संगम द्वार अरैल घाट पर स्नान करेंगे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने प्रवेश मार्ग के निकटतम घाट पर स्नान करें ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे और यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सके। हालांकि, मेला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यातायात प्रतिबंधों के बावजूद, दूध, सब्जी, दवा, पेट्रोल/डीजल की आपूर्ति, एंबुलेंस और सरकारी सेवाओं (पुलिस, डॉक्टर, प्रशासन) से जुड़े वाहनों के आवागमन पर कोई रोक नहीं रहेगी। इन आवश्यक सेवाओं के निर्बाध संचालन की व्यवस्था की गई है। पांटून पुलों का संचालन भीड़ के अनुसार होगा। भीड़ नियंत्रण के लिए सभी पांटून पुलों का संचालन श्रद्धालुओं की संख्या और दबाव के आधार पर किया जाएगा। यदि किसी क्षेत्र में अत्यधिक भीड़ हो जाती है तो प्रशासन द्वारा वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराए जाएंगे।

बाराबंकी में ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार दो भाइयों की मौत, तीसरा घायल

बाराबंकी (उप्र)। बाराबंकी जिले के हैदरगढ़ कोतवाली इलाके में लखनऊ-सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज गति से जा रहे एक ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गयी, जबकि तीसरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जिला अमेठी थाना शिवरतनगंज क्षेत्र के ग्राम बसंतपुर निवासी देवी प्रसाद लोधी के तीन पुत्र चंदन कुमार (26), सूरज (23) और रघुनंदन (17) शटरिंग का काम करते थे और शनिवार को एक साथ लखनऊ गए थे। पुलिस के अनुसार, तीनों सोमवार की रात बाइक से अमेठी लौट रहे थे, तभी हैदरगढ़ के आगे विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे ट्रक से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि चंदन और रघुनंदन सड़क पर गिर गए और ट्रक उन्हें कुचलकर आगे निकल गया, जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। तीसरा भाई सूरज छिटक कर दूर गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तीनों को केंद्रीय स्वास्थ्य केंद्र, हैदरगढ़ पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चंदन और रघुनंदन को मृत घोषित कर दिया। चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को हादसे के बारे में सूचित किया। हैदरगढ़ कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अजय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि दुर्घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की मदद से ट्रक और उसके चालक का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले में अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

महाकुंभ से लौट रही अनियंत्रित कार की चपेट में आने से युवक की मौत, कार सवार छह अन्य घायल

हाथरस (उप्र)। हाथरस जिले के सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह सड़क किनारे शौच करते समय अनियंत्रित कार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गयी और कार सवार छह अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) श्यामवीर सिंह ने बताया कि दिल्ली के आजादपुर निवासी अंकित प्रयागराज में महाकुंभ में स्नान करने के बाद अपने परिवार के साथ वापस लौट रहे थे। उनकी कार सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र के मुगल गढ़ी-फुलरई गांव के पास सुबह करीब छह बजे अनियंत्रित होकर सड़क किनारे चली गयी। पुलिस के अनुसार, सड़क किनारे शौच कर रहा मुगलगढ़ी निवासी मुकेश (34) कार की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गयी। वहीं कार सवार आधा दर्जन लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी लोग दिल्ली चले गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अब्दुल्ला आजम खान जेल से रिहा, सपा सांसद रुचि वीरा समेत कई नेता हरदोई पहुंचे

हरदोई (उप्र)। समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अब्दुल्ला आजम खान करीब डेढ़ वर्ष बाद मंगलवार को हरदोई जिला कारागार से रिहा हुए। अब्दुल्ला आजम कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जेल के द्वार से बाहर आये। वह किसी से मिले बिना और मीडिया से बात किये बिना रामपुर के लिए रवाना हो गए। अब्दुल्ला आज़म सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री आजम खान के बेटे हैं जो विभिन्न मामलों के तहत सीतापुर की जेल में बंद हैं। अब्दुल्ला आजम की रिहाई की खबर सुनकर मुरादाबाद की सपा सांसद रुचि वीरा समेत कई नेता और कार्यकर्ता हरदोई जेल के बाहर पहुंच गये। रुचि वीरा ने न्यायपालिका में अपना विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, 'हमें हमेशा से न्यायपालिका पर भरोसा था और आगे भी रहेगा। आज न्याय हुआ है और हमें उम्मीद है कि भविष्य में भी न्याय होगा।' अब्दुल्ला आजम खान को हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने जमानत दी थी। लेकिन रामपुर में सांसद-विधायक अदालत के समक्ष एक अलग मामले में लंबित कानूनी औपचारिकताओं के कारण वह अभी भी जेल में थे। पिछले कुछ सालों में उनके खिलाफ 45 मामले दर्ज हुए थे और सभी में उन्हें जमानत मिल गई थी। जमानत सत्यापन से संबंधित प्रक्रियागत मुद्दों के कारण उनकी रिहाई में देरी हुई। सोमवार को सांसद-विधायक अदालत से रिहाई का आदेश हरदोई जेल भेजा गया, जिससे उनकी रिहाई का रास्ता साफ हुआ।

गोंडा में प्रेमी की खुदकुशी से व्यथित किशोरी ने लगाई फांसी

गोंडा। गोंडा जिले में कथित तौर पर अपने प्रेमी की खुदकुशी से व्यथित एक किशोरी ने फांसी के फंदे से लटककर जान दे दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सदर क्षेत्र की पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) शिल्पा वर्मा ने बताया कि धानेपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी 14 वर्षीय किशोरी के पिता ने पिछले दिनों मनकापुर थाना क्षेत्र के देवरहना निवासी शिवा (20) के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई थी। प्रकरण में आरोपी युवक को गिरफ्तार किया गया था। उनके अनुसार, रिहाई के बाद युवक गांव छोड़कर अपने रिश्तेदारों के पास पंजाब चला गया और वहां फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सोमवार को उसका शव गांव पहुंचने पर परिजनों ने किशोरी व उसके परिजनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा किया। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर शिवा का अंतिम संस्कार करवाया। इस बीच किशोरी ने भी अपने घर में खुदकुशी कर ली। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार राय ने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा तथा फोरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए हैं। उन्होंने बताया कि घटना के समय किशोरी घर में अकेली थी। मजदूरी करके आजीविका चलाने वाले उसके पिता नवाबगंज थाना क्षेत्र में गन्ने की छिलाई करने गए थे। मां भी खेत में काम करने गई थी। देर शाम परिजनों के घर लौटने पर घटना की जानकारी हुई।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर ट्रक ने श्रद्धालुओं की कार को टक्कर मारी, तीन मरे, तीन घायल

सुलतानपुर (उप्र)। सुलतानपुर जिले के कूरेभार थाना इलाके में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर प्रयागराज से लौट रही श्रद्धालुओं की कार को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी जिससे पति-पत्नी समेत तीन लोगों की मौके पर मौत हो गयी और तीन अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सोमवार की रात कूरेभार थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर 116.7 किलोमीटर दूर कूरेभार टोल से हलियापुर टोल की तरफ जा रही स्कार्पियो को ट्रक ने टक्कर मार दी। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

सपा सरकार में हर काम को समाजवादी नाम दिया जाता था, जबकि पैसा सरकारी होता था: सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान एक प्रश्न का जवाब देते हुए प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के किसी भी गरीब के लिए उपचार कराना कठिन नहीं रहा है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत प्रदेश में 10 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जा रहा है। वहीं सरकारी कर्मचारियों का पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस स्वास्थ्य योजना के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य की सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पिछले आठ वर्षों में हर जरूरतमंद को इलाज के लिए बिना किसी भेदभाव के धनराशि उपलब्ध कराई गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के समय में केवल पार्टी से जुड़े लोगों को ही इलाज के लिए पैसा दिया जाता था। उस दौरान हर कार्य को समाजवादी नाम दिया जाता था, जबकि पैसा सरकारी होता था। यही हाल मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के पैसे का भी हो गया था, लेकिन अब समाजवादी सरकार नहीं है। आज हमारी सरकार संवेदनशील तरीके से बिना किसी भेदभाव के प्रदेशवासियों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। वहीं सरकार इलाज के दौरान अतिरिक्त धनराशि की मांग को भी पूरा कर रही है, क्योंकि कोई भी मानव क्षति परिवार के साथ समाज और प्रदेश की भी क्षति होती है। हम इस भाव के साथ काम कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में आजादी के बाद से वर्ष 2017 तक केवल 17 मेडिकल कॉलेज सरकारी क्षेत्र में थे, जबकि आज हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज के निर्माण की कार्रवाई तेजी से चल रही है। इन मेडिकल कॉलेजों में अच्छे प्रोफेसर लगातार तैनात किए जा रहे हैं। इसके लिए जिलाधिकारियों को अपने स्तर से भी अच्छे डॉक्टर्स को जिला अस्पताल, सीएचसी और पीएचसी में तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। मेडिकल कॉलेज में अच्छी फैकल्टी और सुपर स्पेशलिटी के ब्लॉक बनाने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा हर रविवार को हर पीएचसी स्तर पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का भी आयोजन किया जा रहा है। इसमें केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। आज प्रदेश के हर जिले में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा दी जा रही है।

सीएम योगी ने कहा कि हर जिले में ब्लड बैंक के जरिए जांच की सुविधा हर प्रदेशवासी को उपलब्ध कराई जा रही है। मेडिकल कॉलेज के साथ पैरामेडिकल और नर्सिंग की पढ़ाई के लिए लगातार काम किया जा रहा है। सरकार ने एसजीपीजीआई में नए आठ विभाग का गठन किया है, जिसमें प्रदेश और देश में जो सुविधाएं नहीं थीं, उनका इलाज भी एसजीपीजीआई में किया जा रहा है। सीएम ने कहा कि 1,200 बेड वाले एसजीपीजीआई में आज 2,200 बेड का संचालन हो रहा है। पूरे उत्तर भारत में अच्छे संस्थान के रूप में एसजीपीजीआई काम कर रहा है।

सपा सरकार में केवल उनकी पार्टी से जुड़े लोगों को सहायता मिलती थी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यशनाथ ने मंगलवार को विधान परिषद में समाजवादी पार्टी (सपा) की पूर्ववर्ती सरकार और अपने नेतृत्व वाली सरकार की तुलना करते हुए आरोप लगाया कि सपा सरकार में केवल समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों को पैसे (सरकारी सहायता) मिलते थे, लेकिन वर्तमान सरकार संवेदनशील तरीके से उत्तरर प्रदेश के हर व्यक्ति के लिए काम कर रही है। विधानमंडल के बजट सत्र के छठे दिन विधान परिषद में मुख्यपमंत्री योगी आदित्यननाथ ने विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए कहा 'आज किसी भी गरीब के लिए अपना उपचार कराना कठिन नहीं रहा। प्रधानमंत्री आयुष्मा न भारत योजना, मुख्यिमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत अकेले उप्र में 10 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये का स्वातस्य्जन बीमा का कवर मिलता है।'

उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस स्वा्स्येक स्कीमम के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि विधान परिषद सदस्य को प्रतिवर्ष अपनी निधि से पीड़ित व्यक्ति को एक निश्चित धनराशि देने का अधिकार है।

उन्होंने कहा कि मुख्येमंत्री विवेकाधीन कोष से पिछले पौने आठ वर्ष के अंदर जो धनराशि दी गयी है, वह बिना भेदभाव के दी गई है। उन्होंने कहा ''अगर जिलाधिकारी तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट देता है तो उसी आधार पर धनराशि तत्काल प्रेषित कर दी जाती है।'' योगी ने आरोप लगाया 'समाजवादी पार्टी की सरकार के समय बराबर यह चर्चा होती थी कि केवल समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों को पैसा मिलता था शेष को नहीं।'

सदन में विपक्षी सदस्यों की ओर लक्ष्य करके उन्होंने कहा 'आपके समय क्या होता था? हर कार्य को समाजवादी नाम दे दिया जाता था। बस सेवा भीज, पैसा सरकारी लेकिन उसका नाम समाजवादी बस सेवा। पैसा सरकार का लेकिन समाजवादी पेंशन स्कीरम। ऐसे ही सरकारी पैसा समाजवादी हो गया था।' आदित्यनाथ ने कहा वर्तमान सरकार संवेदनशील तरीके से उत्तीर प्रदेश के हर व्यक्ति के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा 'हमारी सरकार पैसे की और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराती है।'

उन्होंने कहा कि आजादी से लेकर 2017 तक उप्र में केवल 17 मेडिकल कालेज थे लेकिन आज हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज है। ''मेडिकल कालेज भी बने हैं, बहुत सी जगह अच्छे चिकित्सा शिक्षक भी तैनात किये गये हैं।'' आदित्यनाथ ने संजय गांधी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ (एसजीपीजीआई) में किये गये कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने एसजीपीजीआई में आठ नये विभागों का गठन किया है।

काशी में महाशिवरात्रि के अगले दिन निकलेगी शिव बारात, कांग्रेस ने इसे मूल परंपरा से खिलवाड़ बताया

वाराणसी। वाराणसी में महाकुंभ से आने वाली भारी भीड़ के चलते, चार दशकों से निकाली जाने वाली शिव बारात इस बार महाशिवरात्रि के दिन नहीं बल्कि उसके अगले दिन 27 फरवरी को निकाली जाएगी। काशी में महाशिवरात्रि के दिन पिछले 42 सालों से लगातार शिव बारात निकालने वाली समिति ने यह निर्णय लिया है और समिति से जुड़े एक पदाधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उधर, कांग्रेस पार्टी की उप्र इकाई के अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजय राय ने शिव बारात को शिवरात्रि के दिन ना निकालकर दूसरे दिन निकाले जाने को काशी की मूल परंपरा से खिलवाड़ बताया है। उन्होंने कहा कि काशी के सांसद होने के नाते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस निर्णय में हस्तक्षेप करना चाहिए। शिव बारात समिति के मंत्री कमल कुमार सिंह ने बताया कि महाकुंभ से आने वाली भीड़ को देखते हुए इस बार शिव बारात शिवरात्रि के दूसरे दिन यानी 27 फरवरी को निकाली जाएगी। सिंह ने बताया ''प्रशासन ने महाकुंभ की भीड़ को देखते हुए इस बार शिव बारात ना निकालने की बात की। तब हमने शिवरात्रि के दूसरे दिन शिव बारात निकालने का प्रस्ताव दिया। इस पर प्रशासन भी तैयार हो गया।'' समिति के मंत्री ने बताया कि शिव बारात समिति लगातार 42 सालों से शिवरात्रि के पावन अवसर पर शिव बारात निकाल रही है। यह 42 सालों में पहली बार है, जब महाकुंभ की भीड़ को देखते हुए शिवरात्रि के दूसरे दिन शिव बारात निकाली जा रही है। काशी के ही निवासी, कांग्रेस के प्रदेश अध्याक्ष अजय राय ने कहा कि देवाधिदेव महादेव के त्रिशूल पर बसी अविनाशी काशी में बाबा भोलेनाथ के भूत, पिशाच, ताल, बैताल, सभी देवी-देवताओं के संग निकलने वाली दुनिया की पहली विश्व प्रसिद्ध शिव-बारात इस बार शासन-प्रशासन के दबाव में महाशिवरात्रि के एक दिन बाद 27 फरवरी को निकालना काशी की मूल परंपरा से खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि परंपरा के अनुसार बारात महामृत्युंजय मंदिर, दारानगर से उठकर मैदागिन, बुलानाला चौक, बाबा धाम गोदौलिया होते हुए चितरंजन पार्क तक जाती है। वहां वधू-पक्ष भांग ठंडाई, माला-फूल से बारातियों की अगवानी करता है। राय ने कहा कि नगर में निकलने वाली विश्व प्रसिद्ध शिव-बारात का यह 43वां वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि काशी की यह मूल परंपरा आस्था के साथ हर काशीवासी के हृदय में बसती है। राय ने कहा ''काशी की पहचान यहां की संस्कृति, आस्था, पुरातन संस्कृति, अध्यात्म से है और यहां की परंपरा विश्व पटल पर महत्व रखती है। उसी परंपरा को लगातार भाजपा सरकार खत्म कर रही है।'' कांग्रेस नेता राय ने कहा कि शादी के बाद बारात ना निकालना तो पूर्ण रूप से वैवाहिक परंपरा एवं रीति रिवाज के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि जिस काशी की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और परम्परा के आगे दुनिया ने घुटने टेक दिए, उस परंपरा से खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए।

हम बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक बनाना चाहते हैं : योगी आदित्य नाथ

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) की मानसिकता को संकीर्ण बताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों को केवल पारंपरिक मदरसों तक सीमित नहीं रखना चाहती बल्कि उन्हें डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और साहित्यकार बनाने का अवसर भी प्रदान करना चाहती है।

योगी आदित्यनाथ ने विधानमंडल के बजट सत्र के छठे दिन विधान परिषद में मंगलवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्य वाद प्रस्तावि पर सदन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए कहा कि शिक्षा के आधुनिकीकरण से ही समाज का विकास संभव है। योगी ने कहा कि स्कूलों में निशुल्कज पढ़ाई की व्यवस्था की जा रही है। उनका आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इसके लिए डबल इंजन की सरकार पैसा उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी छात्रों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

योगी ने कहा कि सरकार हर बच्चे को उत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है, जिससे वे केवल मजहबी शिक्षा तक ही सीमित न रहें, बल्कि आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनें। योगी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि हर बच्चा अपनी योग्यता के आधार पर आगे बढ़े और राष्ट्र के विकास में योगदान दे। बच्चे ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति हैं इसलिए इसमें कोई भेदभाव नहीं होगा और उन्हें उत्तम शिक्षा मिलेगी तथा सरकार इसके लिए सही दिशा में कदम बढ़ा रही है।

योगी ने विधान परिषद में विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए थारू जनजाति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह जनजाति उत्तर प्रदेश-नेपाल सीमा क्षेत्र में निवास करती है, जिसमें महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, गोरखपुर और सोनभद्र जैसे जिले शामिल हैं। उन्होंने विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे प्रदेश की जनजातियों और वंचित वर्गों की वास्तविक स्थिति से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि थारू, मुसहर, गोंड और अन्य वंचित जनजातियों के लोग बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे, न उनके पास जमीन के पट्टे थे, न राशन कार्ड, न ही मकान और डबल इंजन की सरकार ने इन सभी जनजातियों को मुख्यधारा में लाने का काम किया है। योगी ने समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) मॉडल पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह केवल एक ढोंग है। उन्होंने कहा कि वे केवल दिखावे की राजनीति करते हैं। उन्होंने प्रदेश में इंसेफेलाइटिस जैसी गंभीर बीमारियों से हुई मौतों का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने इसे नजरअंदाज किया, लेकिन मौजूदा सरकार ने बिना किसी भेदभाव के इसे एक मिशन के रूप में लिया और व्यापक स्तर पर टीकाकरण, स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वच्छता कार्यक्रमों के माध्यम से इसे नियंत्रित किया। उन्होंने कहा कि आज यह बीमारी लगभग समाप्त हो चुकी है, लेकिन विपक्ष इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की सोच केवल राजनीति तक सीमित है, वे विकास के मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय केवल तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार ने प्रदेश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर कहा कि प्रदेश में वर्ष 2017 के पहले की कानून व्यवस्था की क्या स्थिति थी, यह सभी जानते हैं। उस दौरान प्रदेश में हर दूसरे और तीसरे दिन दंगा होता था। प्रदेश में कोई बेटी सुरक्षित नहीं थी, लोग पलायन को मजबूर थे। उस समय कस्बे के कस्बे पलायन कर जाते थे, लेकिन 2017 के बाद जो व्यवस्था आई, उसने प्रदेश की कानून व्यवस्था को पूरी तरह से बदल दिया। आज उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था देश में एक नजीर बनी हुई है। प्रदेश की कानून व्यवस्था देश में एक मॉडल व्यवस्था बनी है। योगी ने एनसीआरबी के आंकड़े पेश करते हुए कहा कि वर्ष 2016 की तुलना में वर्तमान में डकैती की घटना में 84.41 प्रतिशत, लूट में 77.43 प्रतिशत, हत्या में 41.01 प्रतिशत, बलवा की घटनाओं में 66.04 प्रतिशत, फिरौती के लिए अपहरण की घटना में 54.72 प्रतिशत, दहेज के लिए हत्या में 17.08 प्रतिशत, दुष्कर्म की घटनाओं में 26.15 प्रतिशत की कमी आई है।

कानपुर देहात पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त टैक्सी के यात्रियों को दूसरी गाड़ी से पहुंचाया गंतव्य स्थान तक

कानपुर। कभी-कभी जीवन में कुछ 'हादसे' ऐसे हो जाते हैं, जो कभी भुलाए नहीं भूलते। इन्हीं हादसों में मनुष्यता की असल पहचान होती है। देश में आमतौर पर गाहे-बगाहे पुलिसवालों की निर्दयता के किस्से सुर्खी बनते रहते हैं। मगर हर जगह की पुलिस ऐसी नहीं होती। उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात में हुई एक सड़क दुर्घटना में मौके पर पहुंचे अकबरपुर थाने के कर्मचारियों ने यह बात साबित कर दी। यह अलग बात है कि उनकी यह दयालुता प्रमुख अखबारों और टेलीविजन चैनलों में जगह नहीं पा सकी। कानपुर देहात पुलिस की 24 फरवरी की शाम की गई एक्स पोस्ट के अनुसार वाकया यूं हैं-सुबह सात बजे सूचना मिलती है कि अकबरपुर से कानपुर के बीच हाइवे पर आनंदेश्वर कोल्ड स्टोरेज के सामने टैक्सी (अर्टिगा कार पंजीयन संख्या यूपी79एसटी5232) दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। अकबरपुर थाना पुलिस के ड्यूटी पर मुश्तैद कर्मचारी अपने क्षेत्र में हादसे की सूचना पाकर बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचते हैं। पुलिस जवान टैक्सी ड्राइवर से हादसे का कारण पूछते हैं। वह ईमानदारी से स्वीकार कर लेता है कि उसे नींद लग गई थी। इस पर पुलिस उससे और यात्रियों से कार्रवाई के लिए दरख्वास्त मांगती है। टैक्सी के यात्री कहते हैं कि हमें कोई कार्रवाई नहीं करनी। टैक्सी इस लायक नहीं बची थी कि उससे अधिक दूर जाया जा सके।

नकारात्मकता चरम पर हो तो गरिमा का खयाल न करते हुए मानसिकता शब्दों में प्रकट होती है : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का खयाल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है।

सपा प्रमुख यादव ने सोमवार की रात अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा 'ज्लेकिन महाकुंभ में जिन्होंने अपनों को तलाशा, उन्हें हमेशा के लिए खो गए अपने परिजन का नाम न तो मृतकों की सूची में मिला और न ही खोया-पाया के रजिस्टर में।'

इसी पोस्ट में उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने महाकुंभ में राजनीतिक अवसरवाद को तलाशा और उनको आत्म प्रचार का माध्यम मिला, लेकिन उन्होंने अपनी नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया और वाणी पर संतुलन को भी।

यादव ने आगे कहा 'अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का खयाल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है।'

सपा प्रमुख ने कहा कि 'महाकुंभ' जैसे पावन पर्व के संबंध में बोलते समय शब्दों का चयन, इस अवसर के मान और प्रतिष्ठा के अनुकूल होना चाहिए।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा 'महाकुंभ में कई बार जाकर भी जिनका वैचारिक उद्धार नहीं हुआ, उनके पाप और पतन की सीमा भला कौन नाप सकता है। ऐसे कथनों से जिन सुधीजनों को ठेस पहुँची है, उनसे निवेदन है कि ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति की भावना रखें न कि आक्रोश की। ज्सन्मति दे भगवान!'

सोमवार को उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यकवाद प्रस्तादव पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, ''कुंभ में जिसने जो तलाशा, उसे वही मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली, सुअरों को गंदगी मिली, संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली, आस्था वालों को पुण्य मिला, सज्जनों को सज्जनता मिली, गरीबों को रोजगार मिला, अमीरों को धंधा मिला, श्रद्धालुओं को साफ-सुथरी व्यवस्था मिली, सद्भावना वाले लोगों को जाति रहित व्यवस्था मिली, भक्तों को भगवान मिले। मतलब सबने अपने-अपने स्वभाव और चरित्र के अनुसार चीजों को देखा है।'' आदित्यनाथ ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा था, ''जिन लोगों ने अपने समय में इस पूरे आयोजन को अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का

शिकार बनाया था, आज वह महाकुंभ पर इस प्रकार की टिप्पणी करके भारत की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।''

योगी ने कहा, ''मैं कहना चाहूंगा कि महाकुंभ ने दुनिया को भारत की सनातन एकता का संदेश देकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विजन' को चरितार्थ कर दिखाया है। समूचा भारत पूरा सहयोग देने के लिए उतनी ही तत्परता के साथ खड़ा है जो महाकुंभ में दिखाई दे रहा है।''

महिलाओं को सशक्त,स्वाबलंबी एवं उद्यमी बनाना सरकार का लक्ष्य : शिवाराज सिंह

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के सहयोग से आयोजित सरस आजीविका मेला 2025 का विधिवत उद्घाटन किया गया। वर्चुअली माध्यम से जुडे केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने समारोह को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ही नहीं देश के बडे औद्योगिक शहर नोएडा में केंद्र सरकार के सरस मेले का आयोजन अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है। सरकार का लक्ष्य देशभर की महिलाओं को सशक्त स्वाबलंबी एवं उद्यमी बनाने का है। इसके लिए सभी राज्यों के गांवों इनके द्वारा स्वयं सहायता समूह चलाए जा रहे है; मात2शक्ति अब अबला नहीं बल्कि सबला बन चुकी है। आज के इस आयोजन में वर्चुअली जुडा हू इसकी सफलता की कामना करते हुए मंत्रालय की पूरी टीम एवं राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के भी सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करता हूं; साथ ही देश के कौने-कौने से आई सभी दीदियों को उनकी इस अटूट सफलता के लिए बधाई देता हूं। इस अवसर पर ग्रामीण विकास एवं संचार राइय मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि यहां आकर यह मेला एक मेला ही नहीं बल्कि एक आंदोलन लग रहा है। ऐसे आयोजनों से आज महिला सिर्फ कामगार नहीं बल्कि काम देने वाली बन रही हैं। भारत की आर्थिक प्रगति की नेता हैं। यहां ग्रामीण विकास राइयमंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि सरस मेलों का यह 5वां संस्करण है, जिसमें 225 स्टॉल तथा एक हजार से अधिक उत्पादों की वैरायटी है। सरस मेला आज ब्रांड बन गया है, जो हमारी दीदियों को आत्मनिर्भर बना रहा है। इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने कहा कि आज मेले को हम एक अलग स्वरूप में देख पा रहे हैं, जिसकी हमें अपार खुशी है।15 अगस्त 202& को प्रधानमंत्री जी ने लखपति दीदी नाम का आह्वान किया था। मंत्रालय ने तभी लक्ष्य को निर्धारित करने का ठाना है।

जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा न्र कहा कि आज मेले का 5वां दिन है। हमें खुशी है यह मेला पिछली बार से दोगुनी उपलब्धि हांसिल करेगा। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि मेले की किसी भी व्यवस्था में न तो कोई चूक है और न ही आगे भी होगी। इस अवसर पर यहां मंत्रालय के सचिव शैलेष कुमार सिंह, अपर सचिव टी के अनिल कुमार, उप महानिदेशक गया प्रसाद, निदेशक मोली श्री, निदेशक राजेश्वरी, अवर सचिव आलोक जवाहर, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के सहायक निदेशक चिरंजीलाल कटारिया, शोध अधिकारी सुधीर कुमार सिंह तथा सुरेश प्रसाद उपस्थित थे।

मेले ने पांचवें दिन उद्घाटन के साथ ही गति पकड़ ली है। यहां हैंडलूम और हैंडीक्रा ट उत्पादों की जमकर बिक्री हुई। यह मेला 21 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक नोएडा हाटए सेक्टर.&5ए में आयोजित किया जा रहा है। इस मेले का उद्देश्य ग्रामीण भारत की समृद्ध शिल्प कला और संस्कृति को शहरी लोगों के साथ जोडना है। मेले में महिलाओं के लिए राजस्थानए गुजरात और छत्तीसगढ़ की बैड शीट खास आकर्षण का केंद्र रहीं। ये उत्पाद न केवल सुंदर हैंए बल्कि टिकाऊ और आरामदायक भी हैं। इसके अलावाए मेले में 400 से अधिक महिला शिल्पकारों ने अपने हस्तकला और पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया। ये महिलाएं विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं और अपने कौशल के जरिए ग्रामीण संस्कृति को जीवंत कर रही हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी जलवा मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी भरपूर आनंद लिया जा रहा है। पांचवें दिन पंजाब के प्रवीन आर्या ग्रुप के कलाकारों ने सुप्रसिद्ध पंजाबी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं, हीटेक इंटरनेशनल स्कूलए गाजियाबाद की छात्राओं ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया।

किसानों की समस्याओं का समाधान ना होने पर होगी विशाल महापंचायत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) के नेताओं ने जिला कलेक्ट्रेट में डी.एम. और ए.डी.एम. प्रशासन से मिलकर 10% प्लॉट एवं नए कानून के लाभ दिए जाने के सन्दर्भ में सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए तीनों प्राधिकरणों एवं अन्य संस्थानों के साथ 10 मार्च तक वार्ताएं कराने का लिखित अल्टीमेटम जिला प्रशासन को दिया, तय समय में वार्ताएं नहीं कराए जाने पर जिला कलेक्ट्रेट में विशाल किसान महापंचायत की घोषणा कर व्यापक आन्दोलन शुरू करने की दी चेतावनी।संयुक्त किसान मोर्चा एस.के.एम. में जुड़े हुए सभी 14 किसान संगठनों के किसान नेताओं के प्रतिनिधि मंडल ने आज सुबह 11 बजे जिला कलेक्ट्रेट गौतम बुद्ध नगर पहुंचकर जिलाधिकारी गौतम नगर एवं अपर जिलाधिकारी प्रशासन से मुलाकात कर पुराने कानून के तहत जमीन लिए जाने से प्रभावित किसानों को 10% विकसित प्लॉट, बढ़ा हुआ प्रतिकर आदि लाभ दिए जाने एवं 1 जनवरी 2014 को बाद जमीन लिए जाने अथवा नया कानून लागू होने के बाद किसी परियोजना में अधिग्रहण का अवॉर्ड पास किए जाने से प्रभावित सभी किसानों को नए भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के अनुसार बाजार दर का 4 गुना मुआवजा, 20% प्लॉट दिए जाने और सभी भूमिधर तथा भूमिहीन किसानों के बच्चों को रोजगार तथा पुनर्वास भत्ता दिए जाने के साथ ही आबादियों का उचित निस्तारण किए जाने की मांग को लेकर सरकार से जवाबदेही की मांग की, रडट की ओर से पूर्व में हुए किसान आंदोलन के दौरान शासन प्रशासन की ओर से दिए गए आश्वासनों

के अनुसार तीनों प्राधिकरणों एवं शासन स्तर की वार्ता कराए जाने तथा जनपद में चल रही विभिन्न परियोजनाओं से संबंधित संस्थाओं के साथ वार्ताएं कराये जाने के सम्बन्ध में दिए गए आश्वासनों की वादा खिलाफी किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने कलेक्ट्रेट में ही तत्काल सर्व सम्मति से निर्णय लेते हुए लिखित ज्ञापन तैयार कर अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे को सौंपा। किसानों ने 10 मार्च तक तीनों प्राधिकरणों एवं अन्य संस्थाओं के साथ वार्ताएं कराने का अल्टीमेटम देते हुए, चेतावनी दी है कि यदि जिला प्रशासन द्वारा 10 मार्च 2025 तक उक्त सभी प्राधिकरणों एवं अन्य संस्थानों से वार्ताएं कराकर किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता है तो, जिला कलेक्टर गौतमबुद्धनगर के प्रांगण में विशाल किसान महापंचायत का आयोजन कर व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा।

महाशिवरात्रि, होली और रमजान के त्योहारों की सुरक्षा को लेकर पुलिस सतर्क, व्यापारियों संग की गई बैठक

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : कमिश्नरेट पुलिस आगामी त्योहारों महाशिवरात्रि, होली और रमजान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने सेंट्रल नोएडा जोन के अधिकारियों के साथ पुलिस ऑफिस सूरजपुर में व्यापारियों के साथ बैठक की। इस दौरान व्यापारियों से त्योहारों के दौरान संभावित चुनौतियों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श किया गया। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि पुलिस उनकी सुरक्षा को लेकर पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की समस्या या संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर व्यापारी तुरंत पुलिस से संपर्क करें। पुलिस हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। बैठक में व्यापारियों ने अपनी समस्याओं और सुझावों को रखा, जिनका पुलिस अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा प्रबंध किए जाएंगे। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई जाएगी, बाजारों में गश्त बढ़ाई जाएगी, और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। पुलिस प्रशासन ने सभी व्यापारियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी आपात स्थिति में वे तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दें।

नोएडा में पुलिस से मुठभेड़, घायल बदमाश जिला अस्पताल से भागा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : कोतवाली फेज वन पुलिस के साथ मुठभेड़ में घायल बदमाश जिला अस्पताल से पुलिस को चकमा देकर आग निकला। घायल बदमाश का इलाज पुलिस अभिरक्षा में जिला अस्पताल में चल रहा था। पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश के पैर में गोली लगी थी। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है और फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। सोमवार देर रात को कोतवाली फेज वन पुलिस के साथ मुठभेड़ में बेगूसराय बिहार निवासी बदमाश श्याम कुमार के पैर में गोली लगी थी। पुलिस ने इसके साथी को भी कांबिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया था। घायल बदमाश श्याम कुमार को जिला अस्पताल में उप निरीक्षक विवेक, भूपेंद्र और सुनील की निगरानी में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। मंगलवार सुबह घायल बदमाश श्याम जिला अस्पताल से भाग निकला।

सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त हुए जिलाधिकारी, हेलमेट-सीटबेल्ट अनिवार्य करने के निर्देश

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गौतमबुद्धनगर : जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और मृत्यु दर को 50% तक कम करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति और जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को कलक्टरेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने पर जोर दिया गया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट और चारपहिया वाहन चालकों के लिए सीटबेल्ट का प्रयोग अनिवार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि "नो हेलमेट, नो फ्यूल" अभियान को सख्ती से लागू किया जाए और बिना हेलमेट या सीटबेल्ट के सरकारी व गैर-सरकारी कार्यालयों, विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों में प्रवेश पर रोक लगाई जाए। जिलाधिकारी ने

परिवहन विभाग, यातायात पुलिस और प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में अवैध बस, टेंपो और टैक्सी स्टैंड को समाप्त कर वैध स्टैंडों का निर्माण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अतिक्रमण को रोकने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने पर जोर दिया। साथ ही, ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने ब्लैक स्पॉट की संख्या को कम करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संयुक्त निरीक्षण कर कार्ययोजना तैयार करें और अवैध कटों को जल्द से जल्द दुरुस्त करें। उन्होंने परिवहन विभाग को स्कूल वाहनों की नियमित जांच करने के निर्देश देते हुए कहा कि बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के कोई भी स्कूल वाहन सड़कों पर न उतरे। साथ ही, स्कूली बस चालकों की आंखों और स्वास्थ्य की जांच भी अनिवार्य रूप से कराई जाए। बैठक में लोक निर्माण विभाग और प्राधिकरण के अधिकारियों को टूटी सड़कों की मरम्मत जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए। वहीं, ओवरलोड वाहनों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया। गांव-गांव पंचायत बैठकों में स्वास्थ्यकर्मियों और आशा कार्यकताओं के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का निर्णय लिया गया।

इसके अलावा, आवारा पशुओं को सड़कों पर घूमने से रोकने और अवैध वाहनों को जब्त करने के लिए डंपिंग यार्ड के निर्माण के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. उदित नारायण पांडेय, यात्री कर अधिकारी के जी संजय, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता शुभम सारस्वत, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक नोएडा अमर सिंह, पुलिस निरीक्षक, जिला पूर्ति अधिकारी, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी सहित बस और ट्रक यूनियन व गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

नोवरा के प्रयास से ग्रामीणों को मिलेगा खेल मैदान,डीजीएम ने दिया आश्वासन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। अब नोएडा के ग्रामीणों को खेलने के लिए खेल मैदान मिलेगा।इसका आश्वासन नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम विजय रावल ने दिया है।बता दे कि आज यहाँ नंगली साखपुर गाँव सेक्टर 134 में नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम विजय रावल के साथ नोएडा विलेज रेसिडेंट्स एसोसिएशन द्वारा ग्रामीण समस्याओं के ऊपर एक बैठक आयोजित की गई जिसमें नगली साखपुर समेत छ गाँवों की समस्याएं सुनी गई , इस दौरान संस्था के अध्यक्ष रंजन तोमर द्वारा संवाददाताओं से बात करते हुए जानकारी दी कि सीईओ लोकेश एम द्वारा दौ गाँवों में खेल सुविधा बनाने हेतु जो सुझाव उनसे मांगे गए थे उनमें नंगली साखपुर एक गाँव था , इस बाबत और ग्रामीण समस्याओं के निस्तारण हेतु यह बैठक आयोजित की गई।इस दौरान नजदीकी कई गाँवों जैसे नंगली नंगला , नंगली बाजिदपुर , रोहिल्लापुर , शाहपुर समेत अन्य गाँवों के किसान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे जिन्होंने अपने अपने गाँवों की समस्याओं से डीजीएम विजय रावल को अवगत करवाया। जिनमें मुख्यतः जल और सीवर की निकासी से सम्बंधित थी।नंगली साखपुर में सार्वजानिक शौचालय , बस स्टॉप ,नालियों की निकासी , सीवर एवं रोड बनवाने की मांग उठाई गई , नंगली बाजिदपुर , नंगली नंगला से भी सीवर और पानी की निकासी की बात सामने रखी गई , शाहपुर में गलियों पर हो रहे अतिक्रमण एवं रोहिल्लापुर में बरात घर में बदलाव की मांग ग्रामीणों के रखी।श्री रावल ने समस्याओं का निरिक्षण किया और मौके पर ही उनके निस्तारण की बातें अधिकारीयों से की,गाँवों में जल एवं सीवर और रोड की मांगों पर फाइल जल्द से जल्द निस्तारित कर काम शुरू करने की बात श्री रावल ने कही।अन्य कार्यों पर भी जल्द एस्टीमेट बनवाने हेतु मांग रखी गई।वही सत्र चलने के कारण विधायक तेजपाल नागर उपस्थित ना हो सके लेकिन उन्होंने फोन से प्राधिकरण के अधिकारीयों को समस्याओं को जल्द से जल्द निस्तारित करने के आदेश दिए।बता दे कि विधान सभा सत्र के कारण वह कार्यक्रम में नहीं पहुँच सके।इस दौरान संस्था के संरक्षक अजीत सिंह तोमर बजरंगी ,उपाध्यक्ष अजय चौहान , महासचिव पुनीत राणा समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।वही भिन्न गाँवों से टीकम सिंह चौहान उर्फ गुड्डू (समाजसेवी), प्रमोद चौहान , वेदप्रकाश चौहान , कुंदन चौहान , गिरिराज चौहान,टीकम चौहान , राकेश चौहान , पवन सिंह चौहान आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नोएडा में पुलिस और मोबाइल लुटेरों के बीच मुठभेड़, एक बदमाश घायल, दूसरा गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : नोएडा के थाना फेस-1 क्षेत्र में पुलिस और मोबाइल लुटेरों के बीच मुठभेड़ हो गई, जिसमें एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाशों के पास से चोरी के छह मोबाइल फोन, एक अवैध हथियार और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। घटना सेक्टर-15ए के पास चेकिंग के दौरान हुई, जब थाना फेस-1 पुलिस टीम वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान, सेक्टर-16 की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवक आते दिखे। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन वे बिना रुके भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया तो घबराहट में उनकी मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। इसी बीच, एक बदमाश ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश घायल हो गया। एडीसीपी नोएडा सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान श्याम कुमार उर्फ बब्बल (26) निवासी बेगूसराय, बिहार के रूप में हुई है, जो वर्तमान में पटपड़गंज, दिल्ली में रह रहा था। वहीं, उसके साथी समीर अली (22) निवासी पटपड़गंज, दिल्ली को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से छह चोरी के मोबाइल फोन, एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया। इसके अलावा, उनके

पास से चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी मिली, जो दिल्ली के ई-पुलिस स्टेशन एमवी थेफ्ट में दर्ज एक मामले से जुड़ी थी। बरामद मोबाइल फोनों में से एक नोएडा के थाना फेस-1 में दर्ज मुकदमे और एक दिल्ली के थाना कल्याणपुरी में दर्ज मुकदमे से संबंधित पाया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि श्याम कुमार उर्फ बब्बल के खिलाफ विभिन्न थानों में पहले से आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि समीर अली पर दो मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब उनके अन्य आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

रामाज्ञा स्कूल ग्रेटर नोएडा द्वारा वार्षिक खेल दिवस मनाया

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा। रामाज्ञा स्कूल ग्रेटर नोएडा द्वारा वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया।स्कूल का खेल का मैदान जोश, जुनून और उत्साह से भरा हुआ था। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आलोक नागर, डेल्टा टू के अध्यक्ष बॉबी भाटी, उपाध्यक्ष रिंकू भाटी के आगमन के साथ हुई। छात्रों ने दौड़ प्रतियोगिता,बैंड डिस्प्ले, मार्च पास्ट, ट्रैक इवेंट, स्कूल ड्रिल, हूला हूप्स, तीरंदाजी और ताइक्वांडो से लेकर ऊजार्वान और उछाल वाले खेल कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन किया।उन्होंने अपने ऊजार्वान प्रदर्शनों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।अपने बच्चे को प्रदर्शन करते देख गर्वित माता-पिता खुशी से भर गए। स्कूल की प्रिंसिपल श्रेष्ठता त्रिपाठी अभिभावक और सभी शिक्षक छात्रों का मनोबल बढ़ाने के लिए मौजूद थे। मुख्य अतिथि ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए। मुख्य अतिथि ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने बच्चों के जीवन में खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्हें लड़कियों को लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेते देखकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने स्कूल की उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती श्रेष्ठता त्रिपाठी की भी सराहना की। इस मौके पर काफी संख्या पेरेंट्स शहर के सम्मानित लोग मौजूद रहे।

साइबर ठगों का पदार्फाश: 84 लाख की धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपी चंडीगढ़ से गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गौतमबुद्धनगर : नोएडा साइबर थाना पुलिस ने एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 84,16,979 रुपये की धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने चंडीगढ़ से राम सिंह, नरेंद्र सिंह चौहान और अक्षय कुमार को दबोच लिया। गिरोह पीड़ितों को डिजिटल तरीके से जाल में फंसाकर ठगी करता था। डीसीपी साइबर प्रीति यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि नोएडा के सेक्टर-45 की रहने वाली एक महिला ने 26 अप्रैल 2024 को साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ अज्ञात साइबर अपराधियों ने खुद को फेडेक्स कोरियर कंपनी का प्रतिनिधि बताकर उन्हें कॉल किया। आरोपियों ने कहा कि उनके नाम से एक संदिग्ध पार्सल पकड़ा गया है, जिसमें पांच ट्रैवलिंग पासपोर्ट, तीन क्रेडिट कार्ड, एक लैपटॉप, चार किलो कपड़े, 200 ग्राम एनडीएमए और 35,000 रुपये नकद पाए गए हैं। इसके बाद आरोपियों ने खुद को सरकारी अधिकारी बताते हुए पीड़िता पर मनी लॉन्ड्रिंग का झूठा आरोप लगाया और डराकर उनसे 84,16,979 रुपये ठग लिए। जांच के दौरान पुलिस ने संदेहास्पद बैंक

खातों को तुरंत फ्रीज कर दिया और साक्ष्य एकत्र करने के बाद मामले में धारा 468 और 120बी आईपीसी जोड़ी गई। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि वे निजी बैंकों के कुछ कर्मचारियों से मिलीभगत कर लोगों के नाम पर करंट खाते खुलवाते थे और ठगी की रकम उन खातों में मंगवाते थे। इस केस में आरोपी राम सिंह ने सहअभियुक्तों के साथ मिलकर इंडसइंड बैंक में एक खाता खुलवाया था, जिसमें 25 जून 2024 को लगभग 69.78 लाख रुपये जमा हुए थे। यह रकम बाद में आपस में बांट ली गई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़िता के ठगे गए 21 लाख रुपये फ्रीज कराए और 16 लाख रुपये वापस दिलवा दिए। शेष राशि की वापसी के लिए कानूनी प्रक्रिया जारी है। आरोपियों के बैंक खातों को एनसीआरपी पोर्टल पर चेक करने पर पता चला कि इनके खिलाफ देशभर में 41 साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। इनमें महाराष्ट्र से 7, कर्नाटक से 6, तेलंगाना से 5, केरल से 4, बिहार से 3, गुजरात से 3, उत्तर प्रदेश से 3, हरियाणा से 2, मध्य प्रदेश से 2, तमिलनाडु से 2, आंध्र प्रदेश से 1, नागालैंड से 1, पंजाब से 1 और पश्चिम बंगाल से 1 शिकायत पाई गई है। इस गिरोह के एक अन्य आरोपी उमेश महाजन को पहले ही 30 जुलाई 2024 को दिल्ली से गिरफ्तार किया जा चुका है। इस पूरी कार्रवाई को साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक रणजीत सिंह के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। टीम में निरीक्षक सहसवीर सिंह, उपनिरीक्षक देवेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल आकाश मलिक, रवि कुमार, अरिहंत जैन और कांस्टेबल धर्मदास तोमर शामिल रहे। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य अपराधियों को भी पकड़ा जा सके।

राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के प्रतीक हैं देवाधिदेव शिव

महाशिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 26 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊजाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिवपुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे

प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को ह्यकालों का काल' और ह्यदेवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ह्यह्यजिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से ह्यसगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।'

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे ह्यनीलकंठह्ण के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य और पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

मेलोनी का मास्टर स्ट्रोक

इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने वाशिंगटन में आयोजित कंजर्वेटिव पॉलटिक्स एक्शन कांफ्रेंस में वामपंथ की खुलकर आलोचना करते हुए रूढ़िवादी बातों पर जोर दिया। वीड़ियो लिंक द्वारा दिये भाषण में मेलोनी ने कहा 90 के दशक में बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर के वैश्विक वामपंथी उदारवादी नेटवर्क बनाने पर उन्हें अनुभवी व प्रतिष्ठित राजनेता कहा गया। आज जब ट्रंप, मेलोनी, (अजर्ंटीना के राष्ट्रपति जेवियर) माइली या शायद (नरेन्द्र) मोदी बात करते हैं तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। मेलोनी ने कहा यह दोहरा मापदंड है, लेकिन हम इसके आदी हो चुके हैं। अच्छी बात यह है कि वे हम पर चाहे जितना कीचड़.उछालें, लोग उनके झूठ पर अब भरोसा नहीं करते। आगे उन्होंने कहा, ट्रंप की जीत से वामपंथी घबराये हुए हैं। उदारवादी नेटवर्क के तौर पर वर्णित संगठन की तीखी आलोचना करते हुए उन्होंने वामपंथियों पर पाखंड़ करने और विश्व स्तर पर रूढ़िवादी नेताओं के उदय पर उन्मादी प्रक्रियाओं पर सीधे वार किए। अति दक्षिणपंथी ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी की नेता मेलोनी के ये तेवर रोम में उनके राजनैतिक विरोधियों के लिए यह सांप लोटने सरीखा है। मेलोनी के विचारों से ट्रंप की यूरोप के प्रति अमेरिकी नीति में बदलाव तथा यूरोपीय सहयोगियों के दरम्यान तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने के संकेत स्पष्ट नजर आते हैं। यूरोप के व्यापार असंतुलन व टैरिफ बढ़ाने के ऐलान के बाद से नया विवाद जारी है। कहा जा सकता है कि नये अमरीकी प्रशासन को वह किसी भी कीमत पर नाराज करने को राजी नहीं हैं। इस कांफ्रेंस का मकसद ही दुनिया में रूढ़िवादियों की सबसे बड़ी व प्रभावशाली सभा के रूप में दुनिया के समक्ष अपनी ताकत का इजहार करना है। तय रूप से वर्तमान समय में मेलोनी या अन्य रूढ़िवादी नेताओं ने वामर्पथियों पर तीखे वार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वे जनता के समक्ष उदारवादियों की कलई उतारने और संगठित रूप से अपनी जड़े.मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं। व्यापक प्रचार व तीखे तेवरों के भरोसे वे अपने मकसद में काफी हद तक सफल भी होते जा रहे हैं। विचारणीय है कि बीते दशक में यूरोप में रूढ़िवादी व दक्षिणपंथियों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। इस पर चिंता भले ही जताई जा रही है, परंतु मतदाताओं की बदलती विचारधारा पर गहन विश्लेषण की जरूरत को भी बरगलाया जाना अनुचित नहीं कहा जा सकता। मेलोनी के तेवरों से रूढ़िवादियों को सीना चौड़ा करने का फिर से सुनहरा मौका हाथ लगा है।

आस्था का महापर्व- प्रयागराज, काशी, अध्योध्या में भक्तों का सैलाब

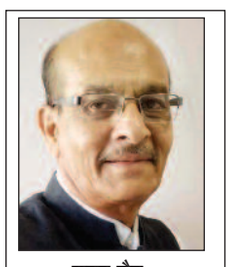

सनत जैन

आस्था के महापर्व में प्रयागराज, बनारस और अयोध्या में भक्तों की भारी भीड़ पहुंच रही है। जनवरी और फरवरी का महीना आस्था के महापर्व के रूप में मनाया गया है। प्रयागराज मे महाकुंभ के आयोजन में करोड़ों भक्तों की आस्था देखने को मिली। 12 जनवरी से 26 फरवरी के बीच विभिन्न पर्वों के दौरान प्रयागराज में भक्तों का बड़ी संख्या में आगमन हुआ। 200 किलोमीटर दूर तक जाम लग गया। भगदड़ भी मची। आगजनी की घटनाएं भी हुईं लेकिन भक्तों की आस्था कम नहीं हुई। विभिन्न राज्यों से तथा विदेशों से बड़ी संख्या में भक्त प्रयागराज पहुंचे। भक्तों को कितनी भी कठिनाई हुई, उसकी किसी ने शिकायत नहीं की। अपनी आस्था के केंद्र बिंदु में जिस प्रयोजन के लिए वह वहां पहुंचे थे उसका उन्होंने आस्था के साथ जुड़कर कार्य को पूर्ण किया है। अब महाकुंभ समाप्ति की ओर है। इसके बाद भी भक्तों का रेला प्रयागराज में बना हुआ है। पहले ऐसा लग रहा था, समापन के अवसर पर भक्तों की भीड़ कम होगी, लेकिन इसके विपरीत भक्तों का आगमन बड़ी संख्या में अभी भी जारी है। 25 फरवरी तक प्रयागराज में भक्तों की जो भीड़ देखने को मिली है, वह अपने आप में आश्चर्य पैदा करने वाली है। प्रयागराज के साथ-साथ अब भक्तों की भीड़ बनारस और अयोध्या में बाबा विश्वनाथ और भगवान राम के दर्शन के लिए जा रही है। महाशिवरात्रि के लिए भव्य और ऐतिहासिक आयोजन की तैयारी बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में की गई है। महाशिवरात्रि पर बाबा विश्वनाथ भक्तों को लगातार 46 घंटे से अधिक समय तक दर्शन देंगे। 26 फरवरी की सुबह मंगला आरती के बाद से बाबा महाकाल के दर्शन भक्तों को मिलना शुरू हो जाएंगे। 28 फरवरी की रात 1 बजे तक बाबा विश्वनाथ के दर्शन भक्तों को होंगे। बनारस में लाखों की संख्या में भक्त हर घंटे पहुंच रहे हैं। पहली बार शिव बारात महाशिवरात्रि के 1 दिन बाद निकालने का निर्णय आयोजन समिति और जिला प्रशासन द्वारा किया गया है। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए इस बार महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा विश्वनाथ की बारात नहीं निकलेगी। बाबा अपने मंदिर में ही भक्तों को दर्शन देंगे। बनारस में इन दिनों 20 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए 25 फरवरी के बाद से 2 दिन तक वाहनों का प्रवेश बनारस में बंद कर दिया गया है। बाबा विश्वनाथ के सुगम दर्शन हों, इसके लिए वीआईपी व्यवस्था बंद कर दी गई है। सभी भक्त लाइन में लगकर बाबा के दर्शन करेंगे। महाकुंभ के अवसर पर संगम तट पर जो भी श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे थे, अब वे हनुमान जी और बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर अयोध्या जाकर भगवान राम के दर्शन कर रहे हैं। जिसके कारण तीनों ही स्थान पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। आस्था के इस महापर्व पर जिस तरह से भक्तों की भीड़ उमड़ी है उसको देखकर सभी आश्चर्यचकित हैं। भक्तों की भारी भीड़ से स्पष्ट है, भारत में धार्मिक आस्था, भक्तों के दिलो और दिमाग में सबसे ऊपर है। भारी भीड़ और अव्यवस्था के बाद भी करोड़ों की संख्या में भक्त धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर अपनी आस्था का प्रदर्शन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि 60 करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में आकर संगम में डुबकी लगा चुके हैं। प्रयागराज, बनारस और अयोध्या में इन दिनों दूध, सब्जियां दवाओं, ईंधन, खाने-पीने के सामान की भारी कमी देखने को मिल रही है। आपातकालीन सेवाओं को लेकर भी भारी अफरा-तफरी मची हुई है। इसके बाद भी भक्तों की आस्था का सैलाब कम नहीं हो रहा है। महाकुंभ का समापन 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ हो जाएगा। इसके बाद भी तीनों धार्मिक स्थलों पर भक्तों की भीड़ कई दिनों बाद तक बनी रहेगी। भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन भक्तों से दर्शन कर-के अपने-अपने गन्तव्य स्थान पर जाने का अनुरोध कर रहे हैं। जिस संख्या में श्रद्धालु धार्मिक स्थलों पर पहुंच रहे हैं उस संख्या को देखते हुए, यही कहा जा सकता है, कि किसी भी व्यवस्था को बनाए रखना व्यवस्थापकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। अव्यवस्था के बीच व्यवस्था किस तरह से बनती है, इसका श्रेय भक्तों के ऊपर जाता है। भक्तों ने अपनी आस्था को आधार बनाकर हर असुविधा और अपनी तकलीफ को सहज रूप से स्वीकार कर लिया। भक्त अपने जिस लक्ष्य को लेकर वहां पहुंचे थे। उसके अलावा अन्य किसी ओर भक्तों ने ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण अव्यवस्था के बीच किस तरह से व्यवस्था स्वमेव बनती चली जाती है, यह महाकुंभ इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

चिंतन-मनन

सोच समझकर हो प्रशंसा

अक्सर जब तुम प्रशंसा करते हो तो किसी और की तुलना में करते हो। किसी एक की प्रशंसा करने में हम किसी दूसरे को नीचा दिखाते हैं और किसी की गलती को दशार्ने के लिए हम दूसरे की प्रशंसा करते हैं। कुछ लोग प्रशंसा करने में कंजूस होते हैं और कुछ शमीर्ले। कुछ लोगों को प्रशंसा करनी नहीं आती और प्रशंसा करना भूल जाते हैं। कुछ व्यक्ति मतलब के लिए प्रशंसा करते हैं और कुछ तुम्हें उठाने के लिए। कुछ और लोग अपने आत्मविश्वास की कमी को छुपाने के लिए स्वयं की प्रशंसा करते हैं। किन्तु वास्तविक प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से निकलती है। जो प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से आती है, वह स्वरूप से आती है और बिल्कुल भिन्न होती है। साधारणतः प्रशंसा लालसा और दम्भ से आती है। उन्नत चेतना की अवस्था से आई प्रशंसा पूर्णता से उभरती है। निःसंदेह प्रशंसा चेतना को उभारती है और उत्साह व ऊर्जा लाती है। परंतु साथ ही यह घमंड भी ला सकती है।

प्रशंसा करना भी एक कौशल है। जब कोई तुम्हारी प्रशंसा करता है, तो क्या तुम बिना शर्माए उसे स्वीकार करते हो? बिना शर्माए प्रशंसा को स्वीकार करना भी एक कुशलता है। तुम किसी की प्रशंसा कब करते हो? जब वे कुछ अनोखा करते हैं, असाधारण, जो उनके स्वभाव के अनुसार नहीं है। जब एक दुष्ट व्यक्ति कोई समस्या पैदा नहीं करता, तब तुम उसकी तारीफ करते हो। या कोई व्यक्ति जिसे भला नहीं समझते, जब कुछ नेक काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो। जब कोई भला आदमी अत्यन्त असाधारण काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो।

यदि कोई बच्चा एक प्याली चाय बनाता है तो तुम प्रशंसा करते हो, परंतु वही एक प्याली चाय यदि मां बनाए तो तुम शायद तारीफ न करो, क्योंकि उसके लिए यह नियमित कार्य है। इन सभी स्थितियों में जिन कार्य की तुम प्रशंसा करते हो, वे अल्पकालिक हैं, उनके आचरण से अलग या उनके स्वभाव के विपरीत। तो जब तुम किसी चीज के लिए किसी की प्रशंसा करते हो, तुम संकेत करते हो कि वे लोग साधारणतः ऐसे नहीं हैं। इसका मतलब है कि वह कार्य उनके स्वभाव में नहीं और इसीलिए वे अपनी प्रशंसा चाहते हैं- यह एक विरला गुण या कृत्य है। प्रशंसा एक अलगाव के भाव, एक दूरी को इंगित करती है, इसीलिए प्रशंसा करते समय सावधान रहो।

मुद्दा : कतर से दोस्ती इसलिए है जरूरी

गिरीश पांड़े

कतर के शेख तमीम बिन हमद अलझथानी की हालिया 17 से 18 फरवरी,2025 की दो दिवसीय भारत की आधिकारिक यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बुलावे पर की गई थी और वह 2015 के बाद दूसरी बार भारत पहुंचे। उन्हें प्रधानमंत्री स्वयं प्रोटोकॉल तोड़ खुद एयरपोर्ट पर रिसीव करने गए थे। इससे सहज ही दोनों देशों के बीच संबंधों की उष्णता का पता चलता है। भारत-कतर संबंधों की अहमियत का पता इस बात से भी चलता है कि कतर की आबादी लगभग 29 लाख है, और वहां 8 लाख 35 हजार के आसपास भारतीय मौजूद है।

कहने को कतर क्षेत्रफल के लिहाज से त्रिपुरा के बराबर एक छोटा देश है, लेकिन कतर लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) और पेट्रोलियम उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक है और भारत की ऊर्जा की जो भी जरूरतें रहती हैं, उसे काफी हद तक यह छोटा कतर ही पूरा कर रहा है। इसलिए ऊर्जा सहयोग भारत-कतर संबंधों का एक प्रमुख आधार बना हुआ है। इसके अलावा, वहां जो भारतीय काम करते हैं, वे हर साल भारत को तो अरबों रु पये भेजते ही हैं, साथ ही कतर की अर्थव्यवस्था में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस प्रकार कतर में यह भारतीय समुदाय दोनों देशों के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करता है। कतर भारत पर काफी भरोसा करता है। इसलिए चीन और जापान के बाद भारत कतर का तीसरा बड़ा व्यापारिक भागीदार है। साल 2017 कोई भूला नहीं है जब मिडल ईस्ट के कई देशों ने कतर का बॉयकॉट कर दिया था, उस पर आरोप लगा था कि वो आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। उसकी धरती से आईएस जैसे संगठन ऑपरेट कर रहे हैं। उस समय सऊदी अरब ने बड़े मिशन के तहत कतर के विमानों की अपने देश में एंट्री तक बैन करवा दी थी, लेकिन भारत ने उस समय समझदारी दिखाते हुए कूटनीति का परिचय दिया जहां पर सिर्फ कुछ समय के लिए कतर के साथ व्यापार को स्थगित किया गया, लेकिन जैसे ही स्थिति सामान्य हुई, फुल स्पीड में फिर ट्रेड को आगे बढ़ाया गया। ऐसे संकट के समय भारत ने कतर को बायकॉट करने के बजाय सहारा देने का काम किया था जिसे कतर भूला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अ-थानी के बीच नई दिल्ली में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान दोनों देशों ने व्यापार, ऊर्जा, निवेश, नवाचार, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण साझेदारी बढ़ाने का फैसला किया है। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और लोगों से लोगों के संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-कतर के द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया है। इससे व्यापार, निवेश और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को और मजबूती मिलेगी। हाल के वर्षों में खाड़ी देशों के साथ भारत के रिश्तों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के देशों में सऊदी अरब, यूएई, ओमान और कुवैत के बाद कतर पांचवां देश है, जिसके साथ भारत ने रणनीतिक साझेदारी समझौता किया है। दोनों देशों ने अगले पांच वषाङ्ग में आपसी व्यापार को वर्तमान 14.08 अरब डॉलर से बढ़ाकर 28 अरब डालर करने का लक्ष्य भी रखा है। कतर ने भारत के प्रमुख क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने में रु चि व्यक्त की है। अभी कतर भारत को एलएनजीऔर तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता हैङ्क लेकिन अब रणनीतिक साझेदारी के तहत व्यापार इससे आगे भी बढ़ाया जाएगा। इससे आने वाले समय में कतर भी संयुक्त अरब अमीरातङ्क सऊदी अरबङ्क ओमान और कुवैत की तरह भारत के करीबी व्यापारिक सहयोगियों में शामिल हो जाएगा। भारत में कतर का मौजूदा निवेश देखें तो कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी ने पहले ही भारत में खुदराङ्क विद्युत क्षेत्रङ्क सूचना प्रौद्योगिकीङ्क शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाङ्क किफायती आवास में १.५ अरब डालर का निवेश किया है॥ भविष्य में बुनियादी ढांचा और बंदरगाह जहाज निर्माणङ्क नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट सिटी फूड पार्क और स्टार्टअप्सङ्क एआईङ्क रोबोटिक्सङ्क मशीन लनिृग जैसी नई प्रौद्योगिकि निवेश के संभावित क्षेत्र कहे जा सकते हैं। कतर की कंपनियों ने देश के तकनीकीङ्क बुनियादी ढांचे और विनिर्माण उद्योगों में महत्वपूर्ण निवेश किया हैङ्क जबकि भारतीय कंपनियों ने कतर में एक मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। निःसंदेह कतर के अमीर की भारत यात्रा ने दोनों देशों के बीच एक गहरी और बहुआयामी साझेदारी के लिए मंच तैयार कर दिया है। रणनीतिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करकेङ्क भारत और कतर महत्त्वपूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए तैयार हैं, जिससे उनके लंबे समय से चले आ रहे संबंध और मजबूत होंगे और क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्थिरता में योगदान मिलेगा। हम उम्मीद करेंगे कि भारत और कतर को नवाचार, प्रौद्योगिकी और स्टार्टिअप के क्षेत्र में और अधिक सहयोग बढक्षने के लिए आगे आना चाहिए जिससे हेल्थ केयर, ऊर्जा, पर्यटन एवं शिक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग का लाभ दोनों देशों को मिल सके।

1984 सिख विरोधी दंगा : दिल्ली की अदालत ने सज्जन कुमार को सुनाई उम्र कैद की सजा

नई दिल्ली। साल 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को उम्र कैद की सजा सुनाई है। यह मामला 1 नवंबर 1984 को दिल्ली के सरस्वती विहार इलाके में दो सिख नागरिक जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह को जिंदा जलाने का है। इस दौरान सिखों का नरसंहार हुआ था और उनके घरों को आग के हवाले कर दिया गया था। अदालत ने गत 12 फरवरी को सज्जन कुमार को दोषी करार दिया था। इस मामले को लेकर शुरुआत में पंजाबी बाग थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। बाद में जस्टिस जी.पी. माथुर कमेटी की सिफारिश पर गठित विशेष जांच दल ने आरोप पत्र दाखिल किया। समिति ने 114 मामलों को फिर से खोलने की सिफारिश की थी, जिनमें यह मामला भी शामिल था। अदालत ने 16 दिसंबर 2021 को सज्जन कुमार के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 147, 148 और 149 के तहत दंडनीय अपराधों के साथ-साथ धारा 302, 308, 323, 395, 397, 427, 436 और 440 के साथ धारा 149 के तहत दंडनीय अपराधों के लिए आरोप तय किए। एसआईटी ने आरोप लगाया कि सज्जन कुमार ने भीड़ को हमला करने के लिए उकसाया, जिसके बाद भीड़ ने सरदार जसवंत सिंह और सरदार तरुणदीप सिंह को जिंदा जला दिया और उनके घर के सामान लूट लिए। इस दौरान उनका घर भी जला दिया गया था। इस हमले में घर के कई लोग घायल भी हुए थे। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 1 नवंबर 2023 को सज्जन कुमार का बयान दर्ज किया था। उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया था। इन दंगों में सिख समुदाय के हजारों लोगों को निशाना बनाया गया था।

द्वारका में आग से दो वाहन, किराना दुकान क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली । दिल्ली के द्वारका सेक्टर-16 क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक मकान में आग लग जाने से दो वाहन, घरेलू सामान और वहां स्थित एक किराना दुकान जलकर नष्ट हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना तड़के तीन बजकर 21 मिनट पर मिली, जिसके बाद आजाद नगर इलाके में घटनास्थल पर दमकल की आठ गाड़ियां भेजी गईं। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। मामले में जांच जारी है।

राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार की सुबह आसमान साफ रहा और न्यूनतम तापमान 11.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में हल्के बादल छाए रहने और हवाएं चलने का अनुमान लगाया। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 93 प्रतिशत रहा। मौसम विभाग ने अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई है। दिल्ली में सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 188 दर्ज किया गया जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, एक्यूआई शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

दिल्ली नगर निगम की मंगलवार को हुई बैठक अनैतिक और अवैध : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा महामंत्री एवं सांसद योगेन्द्र चंदोलिया, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह और प्रदेश मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में आज हुई बैठक को अनैतिक व अवैध बताया है। भाजपा नेताओं ने यहां एक बयान में कहा कि दिल्ली भाजपा महापौर द्वारा नगर निगम अधिनियम 1952 (डीएमसी एक्ट 1952) का उल्लंघन कर एमसीडी सदन की अवैध रूप से की गई बैठक की कार्यवाही की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि इस सदन की बैठक को नगर निगम आयुक्त और संपूर्ण विपक्षी पार्षदों की अनुपस्थिति में आयोजित किया गया। इसमें मुश्किल से 25 से 30 आआपा के पार्षद ही उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि एजेंडा में कई ऐसे पुराने मुद्दे शामिल थे, जिन्हें कई बार टाला गया है। इससे एमसीडी पर गंभीर आर्थिक दुष्प्रभाव पड़ सकता है, जिसकी जांच आवश्यक है। भाजपा नेताओं ने आयुक्त से इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए आग्रह किया कि वह 25 फरवरी को आयोजित सदन बैठक को अवैध एवं परित्यक्त घोषित करें। दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह ने आज इस संदर्भ में एक विरोध पत्र निगमायुक्त को सौंपा।

ठगी के मामले में पुलिस ने आरोपित को केरल से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई) पुलिस ने फर्जी दस्तावेज के जरिए लोगों को विदेश भेजने का झांसा देकर ठगी करने वाले एजेंट को केरल से गिरफ्तार किया है। आरोपित एजेंट एमबीए डिग्री धारक है और केरल में अपना कंसल्टेंसी ऑफिस चला रहा था। एजेंटों के संपर्क में आकर ठगी करने लगा। गिरफ्तार आरोपित की पहचान कैनाल रोड थोट्टाक्कटुकल केरल निवासी रूपेश पीआर के रूप में हुई है। आईजीआई की डीसीपी ऊषा रंगनानी ने बताया कि 25 जनवरी को त्रिपुरा निवासी डिजो डेविस दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा। उसे इटली से निर्वासित किया गया था। यात्रा दस्तावेज जांच में उसके पास से इटली का एक फर्जी रेजिडेंट परमिट मिला। पुलिस ने यात्री के खिलाफ फर्जीवाड़ा का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में डिजो डेविस ने बताया कि उसके कुछ दोस्त बेहतर आजीविका के लिए विदेश गए थे।

सरकार 'विकसित दिल्ली संकल्प पत्र' को मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में अपनाएगी: उपराज्यपाल सक्सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में 'विकसित दिल्ली संकल्प पत्र' को अपनाएगी।

नवगठित आठवीं दिल्ली विधानसभा को संबोधित करते हुए सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानी के लिए दिल्ली सरकार के दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि नई सरकार भ्रष्टाचार मुक्त शासन, महिला सशक्तीकरण, स्वच्छ दिल्ली, यमुना के कायाकल्प और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

उपराज्यपाल ने दावा किया कि पिछले एक दशक से लगातार राजनीतिक टकराव और आरोप-प्रत्यारोप के कारण दिल्ली की प्रगति बाधित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रभावी शासन सुनिश्चित करने के लिए नई सरकार केंद्र और अन्य राज्यों के साथ समन्वय में काम करेगी।

नई सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं को सूचीबद्ध करते हुए सक्सेना ने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, बेहतर शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, गरीबों का कल्याण, विश्व स्तरीय सड़कें, प्रदूषण मुक्त दिल्ली, स्वच्छ पेयजल, अनधिकृत कॉलोनियों के नियमितीकरण और यमुना के पुनरुद्धार सहित कई क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि सभी विभागों को इन प्राथमिकताओं के क्रियान्वयन के लिए 100 दिन की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार सत्र के दौरान नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट भी पेश करेगी, ताकि पिछली सरकार की कमियों का विश्लेषण किया जा सके और सुधार के लिए खाका तैयार किया जा सके।

आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए सक्सेना ने कहा, ''मेरी सरकार का प्राथमिक उद्देश्य धुंआधार विज्ञापन के जरिए छिपाई गई घटिया व्यवस्था को खत्म करना और शासन को फिर से पटरी पर लाना होगा।''

इससे पहले दिन में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सक्सेना के अभिभाषण के दौरान नारेबाजी करने के आरोप में विपक्ष की नेता आतिशी समेत 12 आप विधायकों को सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया।

आप के जिन नेताओं को सदन की कार्यवाही से निलंबित किया गया है उनमें आतिशी, गोपाल राय, वीर सिंह धींगान, मुकेश अहलावत, चौधरी जुबैर अहमद, अनिल झा, विषेश रवि और जरनैल सिंह शामिल हैं। अपने निलंबन के बाद आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मुख्यमंत्री कार्यालय से बी. आर. आंबेडकर की तस्वीर हटाने और उनका अपमान करने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने दिल्ली सचिवालय और विधानसभा दोनों में मुख्यमंत्री के कार्यालय से आंबेडकर के चित्रों को हटा दिया है।

उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा, ''भाजपा ने बाबासाहेब आंबेडकर के चित्र को हटाकर अपना असली रंग दिखाया है। क्या वह मानती है कि (नरेन्द्र) मोदी बाबासाहेब की जगह ले सकते हैं?''

पुरानी शराब नीति के कारण दिल्ली सरकार को घाटा : आतिशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा सत्र का आज दूसरा दिन है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने अपना अभिभाषण दिया। भाजपा नीत दिल्ली सरकार ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा में पिछली सरकार के कामकाज पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की 14 लंबित रिपोर्ट पेश कीं। इन्हें उपराज्यपाल के अभिभाषण के बाद पेश किया गया। शराब नीति पर सीएजी रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद जिस तरह से भाजपा आप पर आक्रामक हुई, उससे आप नेताओं की परेशानी बढ़ गई है।

पुरानी आबकारी नीति की ऑडिट रिपोर्ट- इस बीच आम आदमी पार्टी की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेता प्रतिपक्ष और दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने कहा कि विधानसभा में 2017 से 2021 तक की सीएजी ऑडिट रिपोर्ट पेश की गई। उन्होंने कहा कि इस फाइल में कुल 8 चैप्टर हैं, जिसमें से 7 चैप्टर में दिल्ली की पुरानी आबकारी नीति की ऑडिट रिपोर्ट है। इसमें उस नीति की खामियां हैं और किस तरह का भ्रष्टाचार किया गया है, सब कुछ उजागर हो गया है।

आतिशी ने कहा कि 8 अध्यायों में से एक अध्याय दिल्ली सरकार द्वारा लाई गई नई आबकारी नीति पर है। आप सरकार ने पुरानी आबकारी नीति के कारण हो रहे भ्रष्टाचार को बार-बार दिल्ली की जनता के सामने उजागर किया है। आम आदमी पार्टी सरकार ने बार-बार उजागर किया है कि पुरानी आबकारी नीति में किस तरह से भ्रष्टाचार किया गया। पुरानी आबकारी नीति से पता चलता था कि शराब की कीमतों को किस तरह से प्रभावित किया गया। उन्होंने कहा कि शराब उत्पादनकर्ता किस तरह से शराब के गलत दाम वसूल कर अधिक मुनाफा कमाते थे। आज सीएजी की रिपोर्ट से पता चला है कि पुरानी आबकारी नीति में किस तरह से भ्रष्टाचार हुआ था। आतिशी ने कहा कि उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट से साफ पता चलता है कि शराब की कालाबाजारी हो रही थी। सबको पता है कि शराब के ठेके किस पार्टी के लोगों के पास थे। कैग की रिपोर्ट बार-बार कह रही है कि जिनके पास शराब के ठेके थे, उनसे तस्करी हो रही थी।

शराब नीति के कारण दिल्ली सरकार को 2,000 करोड़ रुपये का घाटा हुआ : कैग रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को पेश की गई भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली सरकार को 2021-2022 की आबकारी नीति के कारण 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का घाटा हुआ है। इसके लिए कमजोर नीतिगत ढांचे से लेकर आबकारी नीति के कार्यान्वयन में त्रुटी सहित कई कारण जिम्मेदार थे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली नई सरकार द्वारा पेश की जाने वाली पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के प्रदर्शन पर 14 में से एक रिपोर्ट में लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया में उल्लंघनों को भी चिह्नित किया गया है। इसमें बताया गया है कि अब समाप्त हो चुकी नीति के निर्माण में बदलाव सुझाने के लिए गठित एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया ने नजरअंदाज कर दिया था। चुनाव से पहले चर्चा का विषय बने कथित शराब घोटाले पर रिपोर्ट में 941.53 करोड़ रुपये के राजस्व के नुकसान का दावा किया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ''गैर अनुरूप नगरपालिका वार्ड'' में शराब की दुकानें खोलने के लिए समय पर अनुमति नहीं ली गई। गैर अनुरूप क्षेत्र वे क्षेत्र हैं जो शराब की दुकानें खोलने के लिए भूमि उपयोग मानदंडों के अनुरूप नहीं हैं। मुख्यमंत्री द्वारा पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है, ''आबकारी विभाग को इन क्षेत्रों से लाइसेंस शुल्क के रूप में लगभग 890.15 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, क्योंकि नीति वापस लेने और विभाग द्वारा फिर से निविदा जारी करने में विफलता के कारण इन क्षेत्रों से लाइसेंस शुल्क लिया गया।'' इसके अलावा, कोविड-19 महामारी से संबंधित बंद के कारण लाइसेंसधारियों को ''अनियमित अनुदान'' छूट के कारण 144 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ। जुलाई 2022 में उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना द्वारा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच की सिफारिश करने के बाद नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए भाजपा ने इसे लेकर आप पर राजनीतिक हमला किया। मामले में जांच एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद अरविंद केजरीवाल, सिसोदिया और संजय सिंह सहित आप के शीर्ष नेताओं ने महीनों जेल में बिताए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 'मास्टर प्लान दिल्ली-2021' में गैर-अनुरूप क्षेत्रों में शराब की दुकानें खोलने पर रोक लगाई गई है, लेकिन आबकारी नीति 2021-22 में प्रत्येक वार्ड में कम से कम दो खुदरा दुकानें खोलना अनिवार्य किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, नई दुकानें खोलने के लिए निविदा दस्तावेज में कहा गया था कि कोई भी शराब की दुकान गैर-अनुरूप क्षेत्र में नहीं होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर कोई दुकान गैर-अनुरूप क्षेत्र में है, तो उसे सरकार से पूर्व स्वीकृति लेकर खोला जाना चाहिए।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''आबकारी विभाग ने गैर-अनुरूप क्षेत्रों में प्रस्तावित दुकानों के वास्ते तौर-तरीकों पर काम करने के लिए समय पर कार्रवाई नहीं की और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) एवं दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) से टिप्पणी लिए बिना 28 जून, 2021 को प्रारंभिक निविदा जारी की गई।'' इसके बाद लाइसेंसधारकों ने उच्च न्यायालय का रुख किया। नौ दिसंबर, 2021 को अदालत ने उन्हें 67 गैर-अनुरूप वार्ड में अनिवार्य दुकानों के संबंध में किसी भी लाइसेंस शुल्क का भुगतान करने से छूट दे दी। इसके परिणामस्वरूप प्रति माह 114.50 करोड़ रुपये की लाइसेंस फीस में छूट मिली। रिपोर्ट में कहा गया है कि मामले की जांच के बाद आबकारी और वित्त विभागों ने प्रस्ताव दिया कि कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण लाइसेंस शुल्क में आनुपातिक छूट पर विचार नहीं किया जा सकता क्योंकि निविदा दस्तावेज में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''इस प्रस्ताव को विभाग के प्रभारी मंत्री ने खारिज कर दिया और 28 दिसंबर 2021 से 27 जनवरी 2022 की अवधि के दौरान बंद दुकानों के लिए प्रत्येक क्षेत्रीय लाइसेंसधारी को छूट देने को मंजूरी दे दी गई।'' रिपोर्ट के अनुसार, मंत्री (मनीष सिसोदिया) ने यह मंजूरी इस आधार पर दी कि सरकार ने कोविड-19 महामारी को लेकर लॉकडाउन के दौरान होटल, क्लब और रेस्तरां (एचसीआर) को आनुपातिक शुल्क माफी का लाभ दिया था। रिपोर्ट में दावा किया गया है, ''इससे सरकार को लगभग 144 करोड़ रुपये का घाटा हुआ।''

भाजपा ने कैग रिपोर्ट को लेकर आआपा पर निशाना साधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मंगलवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट पर आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली विधानसभा में प्रस्तुत कैग रिपोर्ट से स्पष्ट है कि भ्रष्ट अरविंद केजरीवाल सरकार की शराब नीति में 2,002.68 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ था।

दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आआपा की नीतियों से राजस्व में भारी नुकसान हुआ है। इसमें अवैध रूप से दुकानें खोलने से 941.53 करोड़ का घाटा, सरेंडर किए गए लाइसेंसों की फिर से नीलामी न करने से 890 करोड़ रूपये की हानि। कोविड़-19 के नाम पर जोनल लाइसेंसियों को 144 करोड़ रूपये की छूट, सुरक्षा जमा राशि ठीक से न लेने से 27 करोड़ रूपये का नुकसान शामिल है। सचदेवा ने कहा कि आज न सिर्फ दिल्ली, बल्कि पूरा देश देख रहा है कि आप-दा सरकार की शराब नीति में हुए भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन ने दिल्ली की अर्थव्यवस्था को कितना नुकसान पहुँचाया है। उन्होंने कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट सरकार के कार्यों का लेखा-जोखा होती है। इसे सार्वजनिक करने का काम सरकार का है। आज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे विधानसभा में पेश कर आआपा के घोटालों को बाहर लाने का काम किया। उन्होंने कहा कि अब मामले जारी जांच की गति तेज हो गई है जिसमें पता

चला है कि मनीष सिसोदिया ने सभी रिपार्ट को कूड़े में फेक दिया था। अब शराब घोटाले के मामले में अरविंद केजरीवाल, सांसद संजय सिंह और मनीष सिसोदिया सामने आकर जवाब दें।

सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि कैग रिपोर्ट को आज विधानसभा की पटल पर रखा गया। लेकिन आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल नहीं चाहते थे कि ये रिपोर्ट विधानसभा में रखी जाए। दो हजार करोड़ रूपये से ज्यादा का घोटाला आज पता चला। तिवारी ने कहा कि केजरीवाल इनकम टैक्स के अधिकारी है लेकिन उन्होंने इतने भ्रष्टाचार किए हैं और आज सारे भ्रष्टाचार का खुलासा हो गया।

सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि कैग रिपोर्ट से पता चलता है कि आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दस साल तक दिल्ली को लूटने का काम किया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का भ्रष्टाचार करने का काम पहले दिन से ही तय था कि सरकार बनाकर के भ्रष्टाचार करेंगे। खंडेलवाल ने कहा कि शराब नीति बनाते समय केजरीवाल ने न कैबिनेट की मंजूरी ली न ही गवर्नर की। जिससे की इतना बड़ा घोटाला किया गया। उन्होंने कहा कि आज विधानसभा के सत्र में लगभग नौ विधायकों का सदन में न होना ये बताता है कि वे सभी आम आदमी पार्टी (आआपा) को छोड़ रहे हैं।

छात्रों को व्यावसायिक डिग्री कोर्स गंभीरता से करना चाहिए: दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने न्यूनतम उपस्थिति मानदंड से कम होने के बावजूद एलएलबी परीक्षा में बैठने की अनुमति देने की एक छात्रा की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि व्यावसायिक डिग्री पाठ्यक्रमों में छात्रों को अपनी पढ़ाई पूरी ''गंभीरता और परिश्रम'' के साथ करनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गडेला की पीठ ने एक छात्रा की अपील को खारिज कर दिया, जिसमें एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी गई थी। एकल न्यायाधीश ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय में तीसरे सेमेस्टर के बैचलर ऑफ लॉज़ (एलएलबी) की परीक्षा में बैठने की अनुमति मांगने वाली उसकी याचिका को भी खारिज कर दिया था।

उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने 21 फरवरी को पारित और मंगलवार को अपलोड किए गए आदेश में कहा, ''एकल न्यायाधीश द्वारा दिए गए तर्क से सहमत होते हुए, हम भी यह राय रखते हैं कि ऐसे व्यावसायिक डिग्री पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने वाले छात्रों को उक्त पाठ्यक्रमों को पूरी गंभीरता और परिश्रम के साथ करना चाहिए।''

खंडपीठ ने कहा, ''ऐसी कठोरता अपवाद हो सकती है, जिसे सभी संभावनाओं में नियमों में ही निर्धारित किया जाना चाहिए।''

खंडपीठ ने कहा कि सामान्यतः उपस्थिति में कमी को केवल पूछ कर माफ नहीं किया जाना चाहिए, जब तक कि कोई अत्यावश्यक या अपरिहार्य परिस्थितियां जैसे कि चिकित्सा आपातस्थितियां उत्पन्न न हो जाएं। खंडपीठ ने कहा कि इस मामले में, ऐसा कोई अपवाद नहीं बताया गया है।

याचिकाकर्ता छात्रा ने दावा किया कि वह एलएलबी कर रही है और तीसरे सेमेस्टर में नामांकित है। छात्रा के मुताबिक, 22 दिसंबर, 2024 को, अधिकारियों ने परीक्षा देने से वंचित किए जाने वाले छात्रों की एक अनंतिम सूची जारी की, जिसमें उन सभी छात्रों को अधिसूचित किया गया जो न्यूनतम उपस्थिति मानदंड को पूरा करने में असमर्थ थे।

उसने कहा कि अनंतिम सूची में न होने के बावजूद उसका नाम चार जनवरी को प्रकाशित अंतिम सूची में शामिल किया गया था और उसे परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी नहीं किया गया था। व्यथित होकर, उसने सूची से अपना नाम हटाने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

खंडपीठ ने कहा कि यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता छात्रा को तब उपस्थिति की कमी के बारे में जानकारी थी जब उसने समय पर बकाया शुल्क जमा किया था।

खंडपीठ ने कहा ''स्पष्ट रूप से, उपचारात्मक कक्षाओं में भाग लेने के बावजूद, यह रिकॉर्ड में है कि उसकी कुल उपस्थिति का प्रतिशत केवल 54 प्रतिशत है। इसे एकल न्यायाधीश ने विवादित आदेश में स्पष्ट रूप से दर्ज किया है।''

साथ ही खंडपीठ ने कहा, ''प्रतिवादी या विश्वविद्यालय के नियम किसी विशेष सेमेस्टर परीक्षा में भाग लेने की पात्रता के लिए 70 प्रतिशत उपस्थिति निर्धारित करते हैं।'' खंडपीठ ने कहा कि एकल न्यायाधीश ने अदालत के पिछले निर्णयों पर भरोसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित उपस्थिति का प्रतिशत नियत मानक है और इसे किसी भी तरह से कम नहीं किया जा सकता। एकल न्यायाधीश ने यह भी माना कि एलएलबी पाठ्यक्रम में, एक पेशेवर डिग्री होने के नाते, एक नियमित डिग्री पाठ्यक्रम की तुलना में अधिक गंभीर अध्ययन की आवश्यकता है।

आंबेडकर, भगत सिंह की तस्वीरों पर दिल्ली विधानसभा में भाजपा, आप में टकराव, 12 आप विधायक निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना के अभिभाषण के दौरान नारेबाजी करने के आरोप में विपक्ष की नेता आतिशी सहित आम आदमी पार्टी (आप) के 12 विधायकों को दिन भर के लिए सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया।

आप के जिन नेताओं को सदन की कार्यवाही से निलंबित किया गया है उनमें आतिशी, गोपाल राय, वीर सिंह धींगान, मुकेश अहलावत, चौधरी जुबैर अहमद, अनिल झा, विषेश रवि और जरनैल सिंह शामिल हैं। आतिशी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्यमंत्री कार्यालय से बी.आर. आंबेडकर का चित्र हटाकर उनका अपमान किया है। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा, ''भाजपा ने बाबासाहेब आंबेडकर के चित्र को हटाकर अपना असली रंग दिखाया है। क्या वह मानती है कि (नरेन्द्र) मोदी बाबासाहेब की जगह ले सकते हैं?'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने दिल्ली सचिवालय और विधानसभा दोनों में मुख्यमंत्री के कार्यालय से आंबेडकर के चित्रों को हटा दिया है। निलंबित आप विधायकों ने बाद में आंबेडकर के चित्र के साथ विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और ''बाबासाहेब का ये अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान'' और ''जय भीम'' के नारे लगाए।

आप विधायकों के निलंबन पर टिप्पणी करते हुए दिल्ली के मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा, ''यह कोई विरोध प्रदर्शन नहीं है। आप के ये नेता डरे हुए हैंज्वे इस्तीफा देने के बजाय विधानसभा में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। वे कुछ छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।''

सिंह के मंत्रिमंडल सहयोगी आशीष सूद ने आरोप लगाया कि आप अपने कार्यकाल के दौरान हुए भ्रष्टाचार से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, ''जब भी आप हंगामा करने की कोशिश करती है, तो वह कोशिश उसके भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए होती है। कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) की रिपोर्ट उसके गलत कामों को उजागर करेगी।''

आप ने सोमवार को आरोप लगाया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कार्यालय से आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें हटा दी गईं। भाजपा ने आप पर विधानसभा में पेश की जाने वाली कैग रिपोर्ट से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

भाजपा ने मुख्यमंत्री कार्यालय की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, ''मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य मंत्रियों के कार्यालयों में महात्मा गांधी, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर, भगत सिंह, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की तस्वीरें लगी हुई हैं।''

बांग्लादेश से जुड़े मामले में अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती, कहकर सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने याचिका खारिज की

नई दिल्ली । देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने लुधियाना स्थित भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव समिति के अध्यक्ष और इस्कॉन मंदिर संचालन बोर्ड के उपाध्यक्ष राजेश ढांडा द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने से मना कर दिया, जिसमें बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों पर लक्षित हिंसा से हिंदुओं की सुरक्षा की मांग की गई थी। सीजेआई खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने सुनवाई शुरू होते ही विदेशी मामलों और पड़ोसी देश के आंतरिक घटनाक्रमों के मुद्दों में हस्तक्षेप करने से साफ इंकार कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई खन्ना ने कहा, यह विदेश का मामला है और यह अदालत दूसरे देश के मामलों पर टिप्पणी नहीं कर सकती है? सुनवाई कर सीजेआई ने कहा, यह बहुत अजीब होगा अगर यह अदालत दूसरे देश के मामले में हस्तक्षेप करेगी। उन्होंने कहा, हम कैसे मामले में दखल दे दें, वह हमारा पड़ोसी देश है, उसके मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। इसके बाद पीठ की सलाह पर याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने जनहित याचिका वापस ले ली। इसके बाद पीठ ने याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ता ने हिन्दुओं की सुरक्षा की मांग के अलावा बांग्लादेश से भागकर आए हिंदुओं के लिए नागरिकता के लिए आवेदन देने की समय सीमा बढ़ाने की भी मांग की थी। अर्जी में भारतीय विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय को बांग्लादेश में स्थित उच्चायोग के माध्यम से बांग्लादेश में निवासरत हिंदू अल्पसंख्यकों को मदद देने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी। इसके अलावा पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचारों को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार बांग्लादेश पर वैश्विक दबाव बनाने की मांग भी की गई थी।

मौसम बदलेगा मिजाज, कई राज्यों में बरसेंगे बादल ; दिल्ली-यूपी का क्या होगा हाल ?

नई दिल्ली। देश के कुछ राज्यों में मौसम विभाग की तरफ से बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक पूरे उत्तर भारत में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। आईएमडी ने उत्तर-पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में 25 से 28 फरवरी के बीच भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ इस अवधि के दौरान जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को प्रभावित करेगा। इसके अलावा, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भी 26 से 28 फरवरी के बीच हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 25 फरवरी को सुबह हल्की धुंध रह सकती है, अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री रहेगा। वहीं 26 फरवरी को हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 27 फरवरी को तेज बारिश और गरज-चमक के साथ मौसम ठंडा रहेगा और अधिकतम तापमान 25-27 डिग्री तक गिर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में 25 से 28 फरवरी के बीच भारी बारिश और बर्फबारी होगी। वहीं हिमाचल प्रदेश में 26 से 28 फरवरी और उत्तराखंड में 27 और 28 फरवरी को भारी बर्फबारी की संभावना है। मैदानी इलाकों में पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 26 फरवरी से 1 मार्च तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि और आंधी-तूफान की भी चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, बिहार, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में दिन का तापमान 1-4 डिग्री सेल्सियस तक गिरा है। वहीं उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में भी कुछ इलाकों में हल्की ठंड महसूस की गई है। राजस्थान, झारखंड, कोंकण और तटीय आंध्र प्रदेश में दिन का तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री अधिक दर्ज किया गया।

लावारिस बैग को खोलने पर हुआ धमाका, 4 लोग हुए घायल

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले में सड़क किनारे पड़े लावारिस बैग को खोलने के दौरान विस्फोट हो गया। जिससे दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। वहीं, विस्फोट वाले स्थल को सीज कर दिया गया है। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने सबूत एकत्र कर लिए हैं और आगे की जांच जारी है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। घटना के बाद आसपास हड़कंप मच गया। जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूरे इलाके को सील कर दिया और जांच भी शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि बिहार के कटिहार जिले में एक बैग के अंदर रखे विस्फोटक में विस्फोट होने से दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। यह घटना बलरामपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत लाथौर गांव में हुई। पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा ने बताया कि कम तीव्रता वाला विस्फोट सोमवार दोपहर करीब 1 बजे लाथौर गांव में हुआ. यहां सड़क किनारे रखे एक लावारिस बैग को कुछ लोग खोलने की कोशिश कर रहे थे।

भाजपा ने महाकुंभ को राजनीतिक इवेन्ट बना दिया : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में बड़ा बयान दिया है जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महाकुंभ को राजनीतिक इवेन्ट बना दिया है और स्त्री, संतों, धर्माचार्यों और गरीबों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि कुंभ की व्यवस्था के लिए केन्द्र और प्रदेश सरकारें को दो लाख करोड़ रूपये का कार्प्स फण्ड बनाना चाहिए ताकि गरीबों को उनकी सुविधा सुनिश्चित हो सके। उनके बयान के साथ ही उन्होंने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की लड़ाई को भी उठाया और कहा कि इससे आम जनता को ठगा महसूस हो रहा है।

चाहे कोई नाराज हो या खुश, मैं भ्रष्ट लोगों की नियुक्ति को मंजूरी नहीं दूंगा

-महाराष्ट्र सीएम फडणवीस ने मंत्री कोकाटे के बयान का दिया जवाब

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने साफ कर दिया है कि वह मंत्रियों के कहने पर किसी भ्रष्ट निजी सहायकों और विशेष कार्य अधिकारी की नियुक्तियों को मंजूरी नहीं देंगे। कृषि मंत्री और अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता माणिकराव कोकाटे के बयान का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि चाहे कोई नाराज हो, लेकिन जिन अफसरों पर भ्रष्टाचार या गलत कामों के आरोप लगे हैं, उन्हें वह नियुक्त करने की मंजूरी नहीं देंगे।

बता दें माणिकराव कोकाटे ने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि अब मंत्रियों के पीए और ओएसडी की नियुक्ति भी सीएम तय कर रहे हैं, जिससे उनके पास खुद के फैसले लेने की गुंजाइश नहीं है। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। इसके जवाब में सीएम फडणवीस ने कहा कि राज्य में मंत्रियों के पीए और विशेष कार्य अधिकारियों की नियुक्ति का अधिकार सीएम के पास होता है। कोकाटे साहब को शायद यह जानकारी नहीं है कि यह कोई नई परंपरा नहीं है। कैबिनेट बैठक में साफ कर दिया गया था कि मंत्री अपने सुझाव भेज सकते हैं, लेकिन अगर उन पर गलत कामों का ठप्पा लगा है, तो वह मंजूरी नहीं देंगे।

सीएम फडणवीस ने बताया कि मंत्रियों की ओर से कुल 125 नाम भेजे गए थे, जिनमें से 109 को हरी झंडी दी गई है, लेकिन जिन पर संदेह था, उन्हें मंजूरी नहीं मिली। उन्होंने साफ कहा कि मैंने बाकी नामों को क्लीयर नहीं किया क्योंकि उन पर आरोप हैं और कुछ मामलों में जांच भी चल रही है। चाहे कोई नाराज हो या खुश, मैं ऐसे नामों को पास नहीं करूंगा।

इस बीच महाराष्ट्र विधान परिषद की उपाध्यक्ष और शिंदे गुट की शिवसेना नेता नीलम गोहे द्वारा उद्धव ठाकरे पर की गई टिप्पणी और फिर संजय राऊत के पलटवार से राजनीति गरमा गई है। इस पर फडणवीस ने कहा कि ऐसे राजनीतिक बयानों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि साहित्य सम्मेलन में भी नफरत झलक रही है। वहां पीएम मोदी से लेकर उद्धव ठाकरे तक पर कटाक्ष किए गए है, लेकिन क्या ऐसे मंच का इस्तेमाल राजनीति के लिए करना सही है? उन्होंने यह भी कहा कि साहित्य मंचों पर सभी को संयम बरतना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर राजनीतिक नेता साहित्य सम्मेलनों में जाते हैं, तो उन्हें अपनी राजनीतिक बयानबाजी पर भी रोक लगानी चाहिए।

योगी को महाकुंभ के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा देना चाहिए : ममता

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत होने का आरोप लगाते हुए मांग की कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ितों के परिवारों के लिए घोषित मुआवजा तत्काल जारी करे। बनर्जी ने इस दावे पर भी सवाल उठाया कि इस वर्ष महाकुंभ मेला 144 वर्षों के अंतराल के बाद हो रहा है तथा उन्होंने विशेषज्ञों से इस दावे की सत्यता की जांच करने का आग्रह किया। बनर्जी ने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, ''मैं उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करती हूं कि चूंकि उन्होंने कुंभ मेले में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है, इसलिए उन्हें तत्काल यह राशि जारी करनी चाहिए।'' उत्तर प्रदेश सरकार ने कुंभ मेले के दौरान भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी।

सीएम स्टालिन की चिंता, जनसंख्या नियंत्रण होने से संसद की सीटें घट सकती

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तमिलनाडू राज्य में जनसंख्या नियंत्रण के सफल उपायों के बाद संसद में सांसदों की संख्या में कमी को लेकर चिंता जाहिर की है। इस मुद्दे पर सीएम स्टालिन ने कहा, 'भारत का बड़ा लक्ष्य अपनी जनसंख्या को नियंत्रित करना था। तमिलनाडु ने इसमें बड़ी सफलता हासिल की है। लेकिन अब हम एक ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां कम जनसंख्या के कारण तमिलनाडु में संसद की सीटें घट सकती हैं।'

स्टालिन ने जोर देकर कहा कि अगर जनसंख्या में कमी का यह सिलसिला जारी रहा, तब तमिलनाडु की संसद में प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है। वर्तमान में राज्य के 39 सांसद हैं, जो भविष्य में घटकर 31 तक रह सकते हैं।

इस बीच, बीजेपी नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने मुख्यमंत्री स्टालिन पर निशाना साधा। हाल ही में तमिलनाडु के पोल्लाची रेलवे स्टेशन पर नामपट्टियों पर हिंदी अक्षरों को कथित तौर पर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) कार्यकर्ताओं द्वारा काले रंग से मिटाने की घटना के बाद उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी अब भाषा की राजनीति से फायदा नहीं उठा सकती।

सीएम स्टालिन को दी खुली चुनौती

तमिलिसाई ने कहा, मैं डीएमके कार्यकर्ताओं के रवैये की निंदा करती हूं, जिन्होंने हिंदी शब्दों को काले टार से मिटा दिया। यह सार्वजनिक संपत्ति है। उत्तर भारत से लोग भी इस राज्य में आते हैं। रेलवे सभी राज्यों को जोड़ता है। आपको हिंदी शब्दों को मिटाने का क्या अधिकार है? मैं स्टालिन को खुली चुनौती देती हूं कि वे बताएं कि उनके और उनके मंत्रियों के परिवारों के कितने बच्चे सिर्फ दो भाषाएं सीख रहे हैं। और आपके सभी मंत्री, जिनमें आपके परिवार के लोग भी शामिल हैं, सीबीएसई स्कूल क्यों चला रहे हैं?'

दिल्ली में नई बीजेपी सरकार जल्द लॉन्च करेगी महिला समृद्धि योजना

-महिला समृद्धि योजना में किन महिलाओं को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई सरकार के गठन के बाद दिल्ली में महिला समृद्धि योजना की स्कीम जल्द लॉन्च हो सकती है। दिल्ली में बीजेपी सरकार इसके लिए तैयारियों में जुट गई है। इसको लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को लेकर बैठक की और योजना को लागू करने के लिए नियम एवं शर्तें तय करने को कहा। पीएम मोदी ने चुनाव के दौरान ऐलान किया था कि 8 मार्च को महिला दिवस पर दिल्ली की महिलाओं को इसकी पहली किस्त दी जाएगी। अब दिल्ली की सीएम रेखा ने इस बात को दोहराया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में वादा किया था कि इस योजना के तहत के गरीब महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। योजना को लेकर अभी नियम और शर्तें तय होना बाकी है। इससे पता चलेगा कि इस योजना का लाभ किसे मिलेगा और किसे नहीं।

फिलहाल यह साफ हो गया है कि जिन परिवारों की आर्थिक स्थिति अच्छी है। उन्हें इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। यह योजना जरूरतमंद महिलाओं के लिए है। यदि आप दिल्ली की मतदाता हैं और परिवार की आर्थिक हालत ठीक नहीं है तो योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होने से पहले कुछ जरूरी काम कर लें। इस योजना के तहत पैसे सीधे बैंक खाते में भेजे जाएंगे। इसलिए बैंक खाता आपके नाम होना जरूरी है।

यह भी तय किया गया है कि बैंक खाते के साथ आपका अपना पर्सनल मोबाइल नंबर जुड़ा हो। कई बार पुराना मोबाइल नंबर जुड़ा रहता है, यदि आपके साथ भी ऐसा है तो बैंक जाकर अपना नंबर अपडेट करा सकती हैं। अगर आपने बैंक खाते में लंबे समय से कोई लेनदेन नहीं किया है कि तो यह तय कर ले कि आपका अकाउंट चालू या नहीं। ब्रान्च में जाकर केवाईसी भी करा सकती हैं।अगर आपके आधार के साथ मोबाइल नंबर लिंक नहीं है या फिर अपडेट नहीं है तो ऐसा जरूर कर लें।

दिल्ली सरकार की यह योजना गरीब महिलाओं के लिए है। अभी यह साफ नहीं किया गया है कि इसके लिए आय की सीमा क्या होगी।

मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों की बीजेपी सरकारों ने यह सीमा 2.5 लाख रुपए सालाना रखी है। दिल्ली में अभी इसका ऐलान नहीं हुआ है। ऐसे में आपके परिवार की आमदनी कम है तो आय प्रमाणपत्र बनवाकर रख लें।

अब भारत और बांग्लादेश के बीच शुरु हुई नौंक झौंक, ये रही मूल वजह

नई दिल्ली/ढाका (एजेंसी)। अब भारत और बांग्लादेश के बीच तीखी नौंक झौंक भी शुरु हो गई है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान पर बांग्लादेश ने भी जवाब दिया है। बांग्लादेश ने कहा है कि हमारे मुल्क के अल्पसंख्यकों की चिंता भारत को नहीं होनी चाहिए। साथ ही बांग्लादेश ने भी भारत को संबंधों पर अपना रुख साफ करने के लिए कहा है। जयशंकर ने कहा था कि बांग्लादेश को साफ करना चाहिए कि वह भारत के साथ कैसा रिश्ता रखना चाहता है। अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा, जयशंकर ने एक बार फिर अल्पसंख्यकों के बारे में बात की है। हालांकि, अल्पसंख्यकों का मुद्दा मुख्य रूप से भारतीय मीडिया की तरफ से तोड़ मरोड़ की गई जानकारी से उठा है। सबसे जरूरी बात यह कि बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों का मुद्दा भारत की चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक बांग्लादेश का मुद्दा है। वैसे ही जैसे भारत अपने अल्पसंख्यकों के साथ कैसा बर्ताव करता है, यह भारत की चिंता है। तौहीद ने बयानों को लेकर कहा, जब यहां कि लोगऐसे टिप्पणियां कर रहे हैं, तो वहां भी लोग हैं जो ऐसा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उनके एक मुख्यमंत्री ने तो यह तक सलाह दे दी थी कि अगर संभव हो तो संयुक्त राष्ट्र की पीस कीपिंग फोर्स को बांग्लादेश भेजा जाना चाहिए। उनके एक केंद्रीय मंत्री लगातार बांग्लादेश विरोधी बयान देते रहते हैं। यह ठीक है। हमारा मानना है कि ऐसी चीजें चलती रहेंगी, लेकिन फिर भी हम अच्छे रिश्ते चाहते हैं।उन्होंने कहा, इस बात पर फोकस करना कि यहां और वहां कुछ लोग क्या कह रहे हैं, इससे बेहतर है कि हम हमारा रिश्ता मजबूत करने की ओर काम करें।

महाकुंभ में कुछ लोगों ने नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया

-सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए सीएम योगी पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बैगर कहा कि अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का खयाल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है। अखिलेश ने सोमवार रात अपने आधिकारिक एक्?स पर पोस्ट में कहा...लेकिन महाकुंभ में जिन्होंने अपनों को तलाशा, उन्हें हमेशा के लिए खो गए अपने परिजन का नाम न तो मृतकों की सूची में मिला और न ही खोया-पाया के रजिस्टर में।

पोस्ट में उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने महाकुंभ में राजनीतिक अवसरवाद को तलाशा और उनको आत्म प्रचार का माध्यम मिला, लेकिन उन्होंने अपनी नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया और वाणी पर संतुलन को भी। सपा प्रमुख ने कहा कि 'महाकुंभ' जैसे पावन पर्व के संबंध में बोलते समय शब्दों का चयन, इस अवसर के मान और प्रतिष्ठा के अनुकूल होना चाहिए।

अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि महाकुंभ में कई बार जाकर भी जिनका वैचारिक उद्धार नहीं हुआ, उनके पाप और पतन की सीमा भला कौन नाप सकता है। ऐसे कथनों से जिन सुधीजनों को ठेस पहुंची है, उनसे निवेदन है कि ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति की भावना रखें न कि आक्रोश की।ज्सन्मति दे भगवान! सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्?यवाद प्रस्?ताव पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि कुंभ में जिसने जो तलाशा, उसे वही मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली, सुअरों को गंदगी मिली, संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली, आस्था वालों को पुण्य मिला, गरीबों को रोजगार मिला, अमीरों को धंधा मिला, श्रद्धालुओं को साफ-सुथरी व्यवस्था मिली, भक्तों को भगवान मिले। मतलब सबने अपने-अपने स्वभाव और चरित्र के अनुसार चीजों को देखा है। सीएम ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि जिन लोगों ने अपने समय में इस पूरे आयोजन को अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का शिकार बनाया था, आज वह महाकुंभ पर इस प्रकार की टिप्पणी करके भारत की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल और ओडिशा में सुबह-सुबह 5.1 की तीव्रता वाला आया भूकंप, डोलने लगी धरती

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में आए दिन भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। अभी दिल्ली में तेज आवाज के साथ अए भूकंप की दहशत कम भी नहीं हुई थी कि मंगलवार सुबह 6ः10 बजे कोलकाता में 5.1 की तीव्रता वाले भूकंप ने झटके दे दिए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, इसका केंद्र बंगाल की खाड़ी में था। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। एनसीएस ने बताया कि भूकंप आज सुबह 6ः10 बजे 91 किलोमीटर की गहराई पर आया। अभी तक किसी तरह के जान और माल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। वहीं मंगलवार सुबह ओडिशा के कई शहरों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र बंगाल की खाड़ी में स्थित था और इसका असर पुरी, बरहामपुर, बालासोर और भुवनेश्वर समेत कई इलाकों में देखा गया। नेशनल सेंटर फॉर सिसमोलॉजी के अनुसार, भूकंप पुरी से लगभग 286 किमी और बरहामपुर से 394 किमी दूर था। हालाँकि, इसकी गहराई अधिक होने के कारण बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं आई है।

इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 17 फरवरी की सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र धौला कुआं के झील पार्क क्षेत्र में 5 किलोमीटर की गहराई में था और वहां कुछ लोगों को भूकंप के बाद तेज आवाजें सुनीं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक ओपी मिश्रा ने कहा कि धौला कुआं क्षेत्र में 2007 में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। हालांकि, इसका प्रभाव उतना तीव्र नहीं था क्योंकि केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। दिल्ली को भूकंपीय क्षेत्र-4 में रखा गया है, जो देश में दूसरा सबसे खतरे वाला क्षेत्र है। उत्तर भारत में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सबसे अधिक भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। भूकंप संभावित दूरस्थ और निकटस्थ स्थानों में भूकंप आने पर भी दिल्ली में झटके महसूस किए जाते हैं।

रविवार को हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, हालांकि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, भूकंप सुबह 8 बजकर 42 मिनट पर आया और इसकी तीव्रता 3.7 थी। इसका केंद्र मंडी क्षेत्र में 31.48 डिग्री अक्षांश और 76.95 डिग्री देशांतर पर था। सुंदरनगर क्षेत्र में किआर्गी के पास भूकंप 7 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। मंडी जिला भूकंपीय क्षेत्र 5 में आता है, जो कि उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है।

2024 में 54 देशों ने 296 बार इंटरनेट किया बंद, भारत में 84 बार हुआ

-पाकिस्तान में 21, रूस में 13, यूक्रेन में 7 और बांग्लादेश में 5 बार शटडाउन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहली बार ऐसा हुआ है कि दुनिया में इंटरनेट बंद करने के मामले में भारत पहले नंबर पर नहीं है। हालांकि अभी दूसरा नंबर है। भारत में इंटरनेट शटडाउन में कमी आई है। मणिपुर हिंसा और पिछले साल हरियाणा के नूंह में साम्प्रदायिक हिंसा को हटा दें तो भारत में बहुत ही कम इंटरनेट बंद किया गया है। चिंता की बात यह है कि भारत अभी भी अपने पड़ोशी देशों से इस मामले में काफी पीछे है। 2018 के बाद पहली बार 2024 में भारत एक साल में इंटरनेट शटडाउन के मामले में दुनिया में आगे नहीं रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल म्यांमार में सबसे ज़्यादा 85 शटडाउन के आदेश दिए गए। भारत में पिछले साल 84 ऐसे आदेश लागू हुए थे।

बता दें दुनिया में इंटरनेट शटडाउन की कुल संख्या 2023 में 39 देशों द्वारा 283 शटडाउन से बढ़कर 2024 में 54 देशों द्वारा 296 शटडाउन हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमार के ठीक पीछे भारत है। यहां 84 बार शटडाउन हुआ। भारत में संप्रदायिक संघर्ष, विरोध और अस्थिरता, सांप्रदायिक हिंसा, परीक्षाओं और चुनावों में नकल रोकने के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद की गईं। 41 इंटरनेट शटडाउन विरोध प्रदर्शनों से संबंधित थे। 23 सांप्रदायिक हिंसा से संबंधित थे। 2024 में 16 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इंटरनेट शटडाउन से प्रभावित थे, जिनमें मणिपुर (21), जम्मू-कश्मीर (12) और हरियाणा (12) सबसे आगे थे। रिपोर्ट में बताया है कि मणिपुर में जातीय तनाव एक प्रमुख कारण था।

भारत के बाद पाकिस्तान में 21 बार इंटरनेट बंद हुआ। रूस में 13 बार, यूक्रेन में 7 बार, फिलिस्तीन में 6 बार और बांग्लादेश में 5 बार। पाकिस्तान ने 8 फरवरी को चुनाव के दिन, देशभर में एक्स सिग्नल और ब्लूस्काई को ब्लॉक किया गया था और मोबाइल बंद कर दिया था। 8 देशों ने सीमा पार शटडाउन लगाया, जिससे 13 देश प्रभावित हुए। यूक्रेन में रूस द्वारा शटडाउन के 7 मामले दर्ज किए थे। ये यूक्रेन के इंटरनेट सेवा प्रदाताओं पर साइबर हमले और यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कम से कम छह बार मिसाइल हमलों के कारण इंटरनेट बाधित हुआ था।

मेडिकल रिप्रजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्युटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं

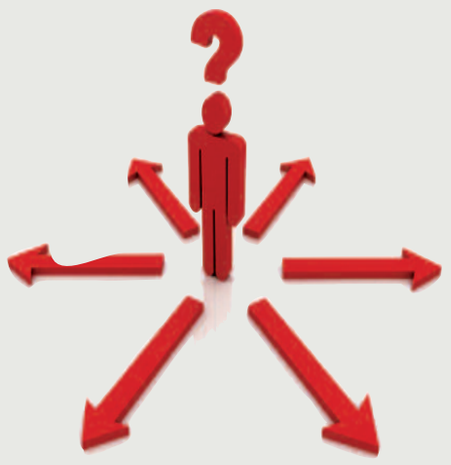

जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

पुनःप्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझों।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें।

कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

कंगना की बहन रंगोली की टिप्पणी पर वर्षों बाद तापसी ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री कंगना रनौत की बहन रंगोली चंदेल और अदाकारा तापसी पन्नू के बीच लड़ाई किसी से छिपी नहीं है। सोशल मीडिया पर दोनों कई बार आमने-सामने आ चुकी हैं। साल 2019 में रंगोली ने तापसी पन्नू को कथित तौर पर कंगना रनौत की सस्ती कॉपी तक कह डाला था। उनकी इस टिप्पणी के कई वर्ष बाद हाल ही में तापसी पन्नू ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

मुझे कंगना जितनी फीस नहीं मिलती

तापसी पन्नू ने अपनी आलोचना पर काफी संयमित तरीके से प्रतिक्रिया दी। उन्होंने गुस्सा जाहिर करने के बजाय शांत रहकर और परिपक्वता से जवाब दिया। हाल ही में एबीपी न्यूज से बातचीत में अभिनेत्री ने पुराने विवाद पर अपनी बात रखते हुए अपना नजरिया बताया। तापसी ने कहा, शायद मैं सस्ती हूं, क्योंकि मुझे कंगना रनौत जितनी फीस नहीं मिलती। अगर मुझे इतनी प्रतिभाशाली अभिनेत्री की कॉपी कहा जाता है, तो मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। हमारे शब्द हमारी परवरिश को दिखाते हैं तापसी पन्नू ने इसके अलावा यह भी कहा कि कोई इंसान किस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करता है, वह उसकी परवरिश को दिखाता है। उन्होंने कहा, हम जैसे बोलते हैं, वही हमारे व्यक्तित्व को दिखाता है। मैं किसी भी महिला के बारे में ऐसी बातें कभी नहीं कह सकती, जिसने अपनी मेहनत से अपना सफर तय किया हो। तापसी ने इसके अलावा बॉलीवुड के भी कई मसलों पर बात की। उन्होंने बॉलीवुड में लगातार होने वाले पक्षपात पर बोलते हुए कहा कि उन्होंने महिला-केंद्रित फिल्मों के साथ अक्सर गलत व्यवहार किए जाने के तरीके के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की।

सोशल मीडिया फॉलोअर्स नहीं, प्रतिभा को महत्व मिले

अभिनेत्री ने फिल्मों में कास्टिंग के फैसलों में और ब्रांड एंडोर्समेंट पर सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर भी बात की। उन्होंने कहा कि किसी को केवल उसकी प्रतिभा से आंका जाना चाहिए, न कि उसकी सोशल मीडिया उपस्थिति से। वह चाहती हैं कि निर्माता सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या के बजाय व्यक्तित्व और प्रतिभा को महत्व दें।

खुद को इस बंधन में नहीं बांधा है कि टीवी बहुत हो गया, अब फिल्में ही करूंगी

रजिया सुलतान, क्या कसूर है अमला का और गुड़ से मीठा इश्क जैसे शोज में पंखुड़ी अवस्थी ने मुख्य भूमिका निभाई है। ऐक्ट्रेस को इंफ्लूएंसर की जिंदगी काफी इंफ्लूएंस करती हैं क्योंकि वह ऐक्टिंग के साथ स्क्रिप्ट राइटिंग, विडियो शूट और एडिटिंग भी करते हैं। टिवन्स मॉम बनकर एक तरफ वह दोहरी जिम्मेदारी निभा रही हैं तो जल्द एक बार फिर से छोटे पर्दे पर नई पारी शुरू करने जा रही हैं।

जिंदगी 360 डिग्री घूम जाती है

जुलाई 2023 में मेरे टिवन्स हुए थे। उनके आने के बाद पूरी जिंदगी ही बदल गई। जब पहली बार पता चलता है कि मां बनने वाले हो, तभी से जिंदगी बदलने लगती है। हालांकि, जब आप बच्चे को जन्म देते हो, तब तो जिंदगी 360 डिग्री घूम जाती है। आपके सोचने, काम करने के तरीके सब बदल जाते हैं। आपकी जिंदगी बस बच्चों के इर्द-गिर्द ही हो जाती है। आपका सारा ध्यान उनकी परवरिश पर होता है। यह एक फुल टाइम जॉब है। दो बच्चों की परवरिश करना कठिन टास्क है लेकिन नामुमकिन नहीं।

जल्द ही टीवी पर नजर आने वाली हूं

मैं जब प्रेग्नेंट हुई थी, उस वक्त वैसे भी 10 महीने का लंबा गैप हो गया था। मैं चाहती थी कि फिर से काम पर लौट जाऊं। डिलिवरी के एक महीने बाद ही मैंने एक ऐड शूट कर लिया था। उसके बाद मेरे पास कई टीवी सीरियल्स को लेकर कॉल आए लेकिन बच्चे बहुत छोटे थे और मैं अपना सारा समय काम को नहीं दे सकती थी। इस वजह से कुछ ब्रैंड एंडोर्समेंट ही किए, ताकि ऐक्टिंग से मेरा हल्का-फुल्का जुड़ाव रहे। अब डेढ़ साल हो गए हैं तो मैं फिर से टीवी में लौटने के लिए तैयार हूं। अब मैं थोड़े लंबे समय तक चलने वाले किरदार करूंगी। अभी जल्द ही एक मेरा शो आने वाला है।

काम को लेकर खुद को किसी बंधन में नहीं बांधा

मैंने 2019 में फिल्म की थी, जो कि 2020 में रिलीज हुई थी। उसके बाद ही लॉकडाउन लग गया था। फिर दो साल तक कुछ नहीं हुआ। यह मेरी पहली फिल्म थी लेकिन उसके बाद मेरे पास बहुत सारी फिल्मों और वेब शोज के लिए कॉल आए। हालांकि, उनसे इतना संतुष्ट नहीं थी इसलिए मैं वापस टीवी करने लगी क्योंकि वहीं से आई थी। मैं अपने काम को लेकर रिजिड नहीं हूं कि यही करना है, ये नहीं करना है। बस अच्छा कैरेक्टर और कहानी होनी चाहिए। मैंने खुद को इस तरह के बंधनों में नहीं बांधा है कि टीवी बहुत हो गया, अब फिल्में ही करूंगी। मुझे लगता है कि मैं ऐक्टर हूं और मुझे लगातार काम करते रहना पड़ेगा, ताकि मैं अपने हुनर को और निखार सकूं।

काम ही आपको ऊपर ले जा सकता

सोशल मीडिया अब बहुत बड़ा हो चुका है। यह अच्छा है। अब तो कई लोग इस पर निर्भर हैं। यहां तक कि ऐक्टर्स के प्रमोशन में भी यह बहुत काम आता है। पहले ऐसा नहीं था। सिर्फ आपका काम ही आपको ऊपर ले जा सकता था। आजकल तो बहुत सारे इंफ्लूएंसर भी ऐक्टिंग करने लगे हैं। ऐसा नहीं कि वो ऐक्टिंग नहीं कर पा रहे हैं। वो भी अच्छा काम कर रहे हैं, बस इसकी प्रैक्टिस चाहिए। मुझे लगता है कि थोड़ा डिसएडवांटेज है कि ऐक्टर सिर्फ ऐक्टिंग पर ही फोकस कर पाता है और सेट पर ही एंजॉय कर पाता है। इंफ्लूएंसर बहुत सारे काम कर लेते हैं। वो विडियो शूट करते हैं, उसे एडिट करते हैं, स्क्रिप्ट बनाते हैं।

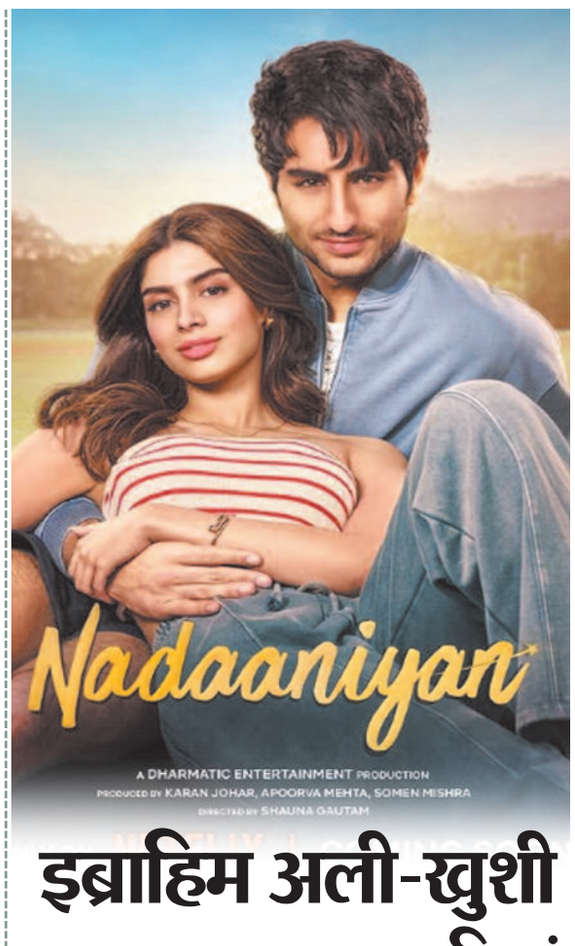

इब्राहिम अली-खुशी कपूर स्टारर नादानियां 7 मार्च को रिलीज होगी

इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर स्टारर फिल्म 'नादानियां के निर्माताओं ने रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म 7 मार्च को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। नादानियां' इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म है। वहीं, खुशी कपूर की यह 'द आर्चीज', 'लवयापा' के बाद तीसरी फिल्म है। नेटफ्लिक्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने गुरुवार को इसकी घोषणा की और लिखा, कुछ कुछ होता है ऐसी नादानियां देखकर, 7 मार्च को सिर्फ नेटफ्लिक्स पर नादानियां रिलीज हो रही है। 'नादानियां' में इब्राहिम अली के किरदार का नाम अर्जुन मेहता है। वहीं, खुशी कपूर के किरदार का नाम 'पिया जय सिंह' हैं। 'नादानियां' जेन जेड के रोमांस, प्यार और उसमें आने वाले मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म 'नादानियां' के दूसरे ट्रैक 'गलतफहमी' को रिलीज किया है। फिल्म का गाना प्यार के बीच आने वाली मुश्किलों को दिखाता है। इंस्टाग्राम हैंडल पर गाना शेयर करते हुए निर्माताओं ने लिखा, उन लोगों के लिए जिन्होंने प्यार किया, खोया और कभी समझा नहीं पाए! 'गलतफहमी' गाना रिलीज हो चुका है। 'गलतफहमी' गाने को सचिन-जिगर ने कंपोज किया है और गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने गाने के बोल लिखे हैं। ट्रैक को आवाज तुषार जोशी और मधुबंती बागची ने दी है। इब्राहिम ने कहा, 'गलतफहमी' में कुछ ऐसा है जिससे आप जुड़ सकेंगे। यह वास्तविक है और दिल टूटने के दर्द को दिखाता है। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इससे कैसे जुड़ते हैं। यह प्यार और नुकसान का एक ऐसा पहलू है जो भरोसेमंद है। खुशी ने कहा, 'गलतफहमी' ने मुझे व्यक्तिगत रूप से प्रभावित किया और यह 'नादानियां' एल्बम के मेरे पसंदीदा ट्रैक में से एक है। मुझे विश्वास है कि दर्शक गलतफहमी के साथ जुड़ाव महसूस करेंगे। मैं लोगों के बीच इसे पेश करके काफी खुश हूं। शौना गौतम के निर्देशन में बनी 'नादानियां' को धर्मा एंटरटेनमेंट के तहत करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने तैयार किया है। यह फिल्म प्यार के कॉन्सेप्ट को एक नए मोड़ के साथ पेश करती है। इस फिल्म इब्राहिम अली खान, खुशी कपूर के साथ अभिनेत्री महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज भी अहम भूमिकाओं में हैं।

जूनियर एनटीआर प्रशांत नील की फिल्म की शूटिंग शुरू

निर्देशक प्रशांत नील और जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म का फैंस को लंबे समय से इंतजार है। इस फिल्म की शूटिंग आज (20 फरवरी) हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में शानदार तरीके से शुरू हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस शेड्यूल में बड़े पैमाने पर एक एक्शन सीन फिल्माया जाएगा, जिसमें 2,000 से अधिक जूनियर कलाकार हिस्सा लेंगे। कहा जा रहा है कि फिल्म का प्रोडक्शन इतना भव्य होगा कि यह दर्शकों को दंग कर देगा। वहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक एनटीआर जूनियर अगले शेड्यूल में शूटिंग में शामिल होंगे। उनके किरदार को लेकर फैंस की उत्सुकता हर दिन के साथ अब आसमान छूती जा रही है। सेट से फिल्म के पहले दिन की शूटिंग की तस्वीर सामने आई है। फोटो में देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा कि सीन किसी विरोध प्रदर्शन का है। यह फिल्म 9 जनवरी, 2026 को तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। इसके जरिए मेकर्स अगले साल संक्रांति के मौके पर दर्शकों को एक शानदार तोहफा देने की तैयारी में हैं। इस फिल्म में प्रशांत नील के पहले की टीम के सदस्य जुड़े रहेंगे। प्रशांत नील अपनी पिछली फिल्मों के लिए लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने केजीएफ, केजीएफ चैप्टर 2 और सलार जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों से लोगों का दिल जीता है।अपनी आगामी फिल्म में वह एनटीआर को एक नए अवतार में दर्शकों के सामने पेश करेंगे।

एक्टर रणदीप हुड्डा ने 'जाट' की डबिंग शुरू की

सरबजीत, सुल्तान, जन्नत 2, एक्सट्रैक्शन, लाल रंग और हाईवे में अपने काम के लिए मशहूर एक्टर रणदीप हुड्डा ने बुधवार को अपनी अगली फिल्म जाट के लिए डबिंग शुरू कर दी। फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है और यह एक रोमांचकारी सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। फिल्म में सनी देओल, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी हैं। सभी एक्टर अपनी भूमिकाओं में अपनी यूनीक इंटेंसिटी और डेप्थ लाते हैं, जिससे एक मनोरम सीन देखने का अनुभव सुनिश्चित होता है। फिल्म की एक्शन कोरियोग्राफी अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट ने की है, जो रोमांचक युद्ध के सीन प्रदान करती है। फिल्म में थमन एस. द्वारा रचित साउंडट्रैक और फोटोग्राफी के निर्देशक के रूप में कैमरे के पीछे ऋषि पंजाबी हैं। यह फिल्म एक उच्च-स्तरीय प्रोडक्शन के लिए मंच तैयार करती है, जिसे सटीकता और जुनून के साथ तैयार किया गया है। इसका संपादन नवीन नूली द्वारा किया गया है, जबकि अविनाश कोला का प्रोडक्शन डिजाइन दर्शकों को फिल्म की मनोरंजक दुनिया के दिल में ले जाएगा। मैथरी मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा बनी यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। पिछले साल की शुरुआत में, रणदीप ने भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता वी.डी. सावरकर पर आधारित ऐतिहासिक बायोपिक 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के साथ निर्देशन में कदम रखा था।

रॉकेट..., बर्लिन जैसी सीरीज के बाद हीरो ही नहीं, विलन के रोल भी करने हैं

इश्वाक सिंह ने पाताल लोक, बर्लिन और रॉकट बॉयज जैसी वेब सीरीज और फिल्मों से खास पहचान बनाई। खास बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंडस्ट्री में आए बदलाव और आगे की योजनाओं पर खुलकर बात की।

पाताल लोक 2 और बर्लिन की सफलता के बाद करियर में क्या बदलाव पा रहे हैं?

जब लोग आपके काम को पसंद करते हैं तो अच्छा लगता है। जब सिर्फ परफॉर्मेंस ही नहीं, बल्कि पूरी फिल्म या शो सराहा जाता है तो खुशी बढ़ जाती है। यह अहसास धीरे-धीरे गहराता जा रहा है। जब काम में बिजी होते हैं तो पूरा मजा लेने का मौका नहीं मिलता, जो शायद अच्छा ही है। वरना इंसान हवा में उड़ने लगे लेकिन इस पल को एंजॉय कर रहा हूं। इस इंडस्ट्री में हर सफलता आपको अगले मुकाम तक ले जाती है। मैं इस सफर को पूरी तरह जी रहा हूं।

मेकर्स की तरफ से क्या अब अलग तरह की अप्रोच आपको देखने को मिल रही है?

बदलाव तो आया है। अब जो ऑफर मिल रहे हैं, वो पहले से काफी अलग हैं। जब कोई प्रोजेक्ट सफल होता है तो मेकर्स को भरोसा हो जाता है कि मैं अलग-अलग तरह के रोल कर सकता हूं। जो भी किरदार मिले, वो मेकर्स की सोच और भरोसे की वजह से ही हैं। पाताल लोक के बाद बर्लिन की जो पूरी तरह अलग थी। चाहता हूं कि लोग मुझे सिर्फ हीरो के रूप में न देखें, बल्कि विलन के रूप में भी पहचान बनाऊं।

क्या कभी डर लगा कि एक ही तरह के किरदार करने से टाइपकास्ट न हो जाएं?

ऐसा तो कभी नहीं लगा। अच्छे फिल्ममेकर्स जानते हैं कि अगर कोई एक्टर एक रोल बखूबी निभा सकता है तो वह और भी किरदार उतनी ही शिद्दत से कर सकता है। थिएटर से शुरुआत की थी। थिएटर में यह आम बात है कि 17 साल का लड़का 60 साल के व्यक्ति का रोल कर सकता है लेकिन जब फिल्मों में काम शुरू किया तो देखा कि यहां लुक को बहुत अहमियत दी जाती है। यह मेरे लिए नया था लेकिन अब समझ आया कि यह कितना जरूरी है।

किन निर्देशकों के साथ काम करना चाहेंगे?

इंडस्ट्री के सभी दिग्गज निर्देशकों के साथ काम करना चाहूंगा। जैसे करण जौहर, अनुराग कश्यप, राम गोपाल वर्मा। हालांकि नए डायरेक्टर्स के साथ भी काम करने में उतना ही मजा आता है। नए फिल्ममेकर्स की सोच और अप्रोच अलग होती है। अनुभवी निर्देशकों के साथ काम करके अनुशासन और सीखने का मौका मिलता है, जबकि नए निर्देशकों के साथ काम करने में अलग तरह का रोमांच होता है। वो एक्सपेरिमेंट करने की आजादी देते हैं।

खलनायक के गाने पालकी में होके सवार के नए वर्जन का अनुभव कैसा था?

जब इस गाने का ऑफर मिला तो शुरुआत में इसे हल्के में लिया लेकिन जब ऑफर एक्सेप्ट करके सेट पर पहुंचा और पूरा गाना सुना तब समझ आया कि यह कितना पेपी और एनर्जेटिक सॉन्ग है। इसका निर्देशन, कोरियोग्राफी और सेटअप शानदार था। पूरी टीम में जबरदस्त जोश था।

फिल्म दीवानियत में दिखाई देंगे हर्षवर्धन राणे

साल में 2016 हुई रिलीज हर्षवर्धन राणे की फिल्म सनम तेरी कमस को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। इस फिल्म पर दर्शक खूब प्यार बरस रहे हैं और यह बॉक्स ऑफिस पर खूब अच्छा परफॉर्म कर रही है। सनम तेरी कसम की री-रिलीज की सफलता के बाद हर्षवर्धन एक अन्य प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं। दरअसल उनकी नई फिल्म का एलान हो गया है, जिसका नाम दीवानियत है। इसकी जानकारी हर्षवर्धन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दी है। उन्होंने कैप्शन में लिखा... दीवानियत फिल्म कहानी है, प्यार और हार्टब्रेक की ये कहानी साल 2025 में सिनेमाघरों में आने वाली है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान मिलाप मिलन जावेरी ने संभाली है, वहीं अमूल मोहन और अंशुल मोहन इसके निर्माता हैं। एक्ट्रेस को लेकर भी कोई खुलासा फिलहाल नहीं किया गया है।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट संपादक ओमवीर आर्य द्वारा वत्स ऑफसेट, पता- मुद्दा हाउस, सी-ब्लॉक, बारात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जिला गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673